



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक्क समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweet's

BY

MR
GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-239 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगी उद्यम सखियां

यूनिक्क समय, मथुरा। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में उद्यम सखियां अहम भूमिका निभा सकती हैं। महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, छोटे कारोबार शुरू करने और पहले से संचालित उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित करने के साथ महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

उद्यम सखियां ग्रामीण महिलाओं और



स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं के बीच सेतु का काम कर सकती हैं। वे महिलाओं को छोटे व्यवसाय की संभावनाओं की जानकारी देने, कारोबार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में मार्गदर्शन प्रदान कर सकती हैं। इससे उन

ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और छोटे उद्यमों को बढ़ावा देने पर जोर

महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है, जो संसाधनों और जानकारी के अभाव में अपना कारोबार शुरू नहीं कर पाती हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों ने बताया कि उद्यम सखियां गांव-गांव जाकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से बनाए गए उत्पादों जैसे अचार, पापड़, मसाले, सिलाई-कढ़ाई,

हस्तशिल्प आदि को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने में मदद करेंगी। इससे महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और उनके उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा। प्रशिक्षण के बाद उद्यम सखियां अपने-अपने ब्लॉक में समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित करेंगी और उन्हें उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करेंगी।

इसके लिए उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे मुद्रा लोन, स्टार्टअप योजना आदि की जानकारी भी दी जाएगी। योजना के तहत प्रत्येक विकास खंड से महिलाओं का चयन किया गया है। चयनित महिलाओं को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण में विशेषज्ञों की ओर से ऑनलाइन व्यापार के साथ-साथ ग्राहकों से संवाद, ऑर्डर प्रबंधन और उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के टिप्स भी दिए जाएंगे।

स्वतः रोजगार उपायुक्त इंद्रपाल सिंह ने बताया कि सखी योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। इसके लिए उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे मुद्रा लोन, स्टार्टअप योजना आदि की जानकारी भी दी जाएगी। हर ब्लॉक से चयनित महिलाओं को इसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

शिक्षक और शिक्षित भी मतदान में साबित हुए फिसड्डी

शिक्षक सीट पर 53.72 और स्नातक सीट पर महज 42.20 प्रतिशत हुआ मतदान

19-19 मतदेय स्थलों पर सुबह आठ से शाम चार बजे तक चली मतदान प्रक्रिया

यूनिक्क समय, मथुरा। खुद को जागरूक और शिक्षित कहलाने वाले मतदाता भी मतदान के प्रति अपेक्षित उत्साह नहीं दिखा सके। शुक्रवार को जिले में विधान परिषद सदस्य की शिक्षक और स्नातक सीट के लिए हुए चुनाव में मतदान का प्रतिशत निराशाजनक रहा। शिक्षक सीट पर 53.72 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले, जबकि स्नातक सीट पर मतदान का आंकड़ा महज 42.20 प्रतिशत तक पहुंच सका। दोनों वर्गों में कम



शुक्रवार को राजकीय इंटर कालेज में मतदान के बाद निकले स्याही का निशान दिखाते मतदाता। मतदान ने जागरूक मतदाता होने के दावों पर सवाल खड़े किए।

जिले में शिक्षक और स्नातक विधान परिषद सदस्य पद के लिए 19-19 मतदेय स्थलों पर मतदान कराया गया। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतदान प्रक्रिया शाम चार बजे तक चली। मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए सात जूनल मजिस्ट्रेट, 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 41 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी लगाया गया था।

मतदान की रफ्तार शुरुआत से ही

धीमी रही। सुबह आठ बजे से दोपहर 11:30 बजे तक स्नातक सीट पर 14.13 प्रतिशत और शिक्षक सीट पर 14.33 प्रतिशत मतदान हुआ। दोपहर 1:30 बजे तक शिक्षक सीट पर मतदान का प्रतिशत बढ़कर 32.21 पहुंचा, जबकि स्नातक सीट पर यह आंकड़ा 27.97 प्रतिशत ही रहा। इसके बाद भी मतदान की गति अपेक्षाकृत धीमी बनी रही। शाम चार बजे मतदान समाप्त होने तक शिक्षक सीट पर 53.72 प्रतिशत और स्नातक सीट पर 42.20 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शिक्षक सीट के

जनपद का कुल मतदान प्रतिशत

शिक्षक मतदान प्रतिशत — 53.72
स्नातक मतदान प्रतिशत — 42.40

लिए जिले में कुल 6694 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 4315 पुरुष और 2379 महिला मतदाता शामिल थीं। इनमें से 53.72 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। वहीं, स्नातक सीट के लिए 10669 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 7175 पुरुष और 3494 महिला मतदाता शामिल थीं। इस सीट पर केवल 42.20 प्रतिशत मतदाता ही वोट डालने पहुंचे।

जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि दोनों सीटों के लिए बनाए गए सभी 19-19 मतदेय स्थलों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।

गोवर्धन पुलिस के आगे बौने हैं मुख्यमंत्री के आदेश

यूनिक्क समय, गोवर्धन। मुख्यमंत्री का स्पष्ट आदेश है कि महिलाओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद गोवर्धन में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित एक गोल्ड मेडलिस्ट बेटी दो महीने से थाने के चक्कर काट रही है, उसकी एफआईआर तक दर्ज नहीं हो रही है।

मामला कस्बा के बड़ा बाजार कसाई पाड़ा का है। यहां की रहने वाली राधिका सिंघल जीएलए यूनिवर्सिटी की बीबीए ऑनर टॉपर और गोल्ड मेडलिस्ट हैं। यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद अपने हाथों से उन्हें स्टेज पर बुलाकर गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया था। राधिका के पिता राजकुमार सिंघल ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी 3 फरवरी 2025 को फरीदाबाद के डबुआ कॉलोनी निवासी रजत कुमार अग्रवाल के साथ की थी। आरोप है कि शादी के दो महीने बाद ही पति रजत कुमार और सास लक्ष्मी देवी ने पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। मना करने पर प्रताड़ित करने लगे। सर्दी में सोते समय ठंडा पानी डाल देना, खाना न देना और मारपीट करना शुरू कर दिया। 13 नवंबर 2025 को राधिका ने एक बेटे युग को जन्म दिया। तब भी मायके पक्ष से

सीएम की गोल्ड मेडलिस्ट को पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश, दो माह से नहीं लिखी एफआईआर

छोछक के नाम पर एक लाख रुपये नकद, सोने की चैन, अंगूठी, कंगन और कपड़े ले लिए गए।

पीड़िता का आरोप है कि बीती 16 अगस्त की रात ससुरालीजनों ने पांच लाख रुपये के लिए उसके साथ मारपीट की और उस पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की। राधिका ने इसकी सूचना अपने पिता को दी। पिता रात ढाई बजे फरीदाबाद पहुंचे और 112 नंबर पर पुलिस बुलाकर बेटी को एक साल के मासूम बच्चे के साथ पहने हुए कपड़ों में ससुराल से बाहर निकाला। पीड़िता ने उसी दिन गोवर्धन थाने में लिखित तहरीर दी। वॉइस रिकॉर्डिंग और फोटो भी सबूत के तौर पर दिये, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी गोवर्धन पुलिस ने आज तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। पीड़िता का कहना है कि उसका पूरा स्त्रीधन, सोना चांदी और मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र भी ससुराल में ही रखा हुआ है। पीड़िता ने एसएसपी और मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना से खेती में पूंजी निवेश को मिलेगा बढ़ावा

किसानों को छह फीसदी ब्याज पर मिलेगा छह लाख तक ऋण

पांच साल में जिले के करीब 10 हजार किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

यूनिक्क समय, मथुरा। खेती-किसानी में पूंजी की कमी से जूझ रहे लघु-सीमांत किसानों को मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना राहत देगी। योजना के तहत किसानों को छह लाख रुपये तक का दीर्घकालिक ऋण छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों को सस्ते दर पर ऋण उपलब्ध करवाकर खेती को मजबूत करना, कृषि उत्पादकता बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप



से आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक से मिलने वाले कृषि ऋण की ब्याज दर को पहले के लगभग 11 से 11.50 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत किया गया है। प्रदेश सरकार ने योजना के लिए 384 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

आगामी पांच वर्षों में पांच लाख लघु-सीमांत किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत मथुरा जिले के करीब 10 हजार

गांवों में रोजगार बढ़ाने पर जोर

योजना का उद्देश्य खेती को लाभकारी बनाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देना भी है। कृषि के साथ पशुपालन और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों में निवेश बढ़ने से गांवों में रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। ऋण आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल और सहकारी ग्राम विकास बैंक के माध्यम से संचालित की जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मथुरा जिले में किसानों को इसका लाभ देने के लिए पात्र किसानों की संख्या तय की जा रही है।

किसानों को लाभ देने का लक्ष्य बना है। योजना का प्रमुख उद्देश्य किसानों को साहूकारों या महेगे कर्ज पर निर्भर होने से बचाना है। सस्ता दीर्घकालिक ऋण मिलने से किसान सिंचाई के साधन विकसित करने, कृषि यंत्र खरीदने और खेती से जुड़ी गतिविधियों में निवेश कर सकेंगे। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ खेती की लागत और आर्थिक जोखिम को नियंत्रित

करने में मदद मिल सकती है। योजना के तहत ऋण की अदायगी के लिए पांच वर्ष या उससे अधिक अवधि का विकल्प उपलब्ध है। निर्धारित समय पर किस्तें चुकाने वाले पात्र किसानों को ब्याज अनुदान का लाभ भी दिया जाएगा। इससे नियमित भुगतान करने वाले किसानों पर ब्याज का बोझ कम करने में मदद मिलेगी।



फरह ब्लाक मतदान केंद्र में परियोजना निदेशक एके उपाध्याय से जानकारी लेते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, साथ हैं एसएसपी श्लोक कुमार।

अधिकारियों ने देखी व्यवस्था, चौकसी के दिए निर्देश

यूनिक्क समय, मथुरा। एमएलसी मतदान के दौरान डीएम और एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और इंतजाम परखे। इस दौरान फर्जी वोट डलवाने की कोशिश नहीं करने की चेतावनी दी। सुबह एसएसपी श्लोक कुमार के साथ मतदान का जायजा लेने निकले डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने सुभाष इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज, क्षेत्र पंचायत कार्यालय बलदेव, क्षेत्र पंचायत कार्यालय राया, नगर निगम वृंदावन जौन मतदान केंद्र के अलावा क्षेत्र पंचायत कार्यालय फरह, नन्दगांव और गोवर्धन ब्लॉक के मतदान केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान प्रक्रिया की जानकारी ली और फर्जी मतदान करवाने की कोशिश पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी।

जेल की सलाखों के पीछे भी मनेगा करवाचौथ

पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखेंगी महिला बंदी

निजी संस्था की मदद से उपलब्ध कराई जाएगी व्रत सामग्री और श्रृंगार का सामान

यूनिक समय, मथुरा। करवाचौथ का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ निर्जला व्रत रखती हैं। इस परंपरा का निर्वहन जिला कारागार में निरुद्ध महिला बंदी भी कर सकेंगी। जेल की सलाखों के पीछे रहने के बावजूद उनके लिए करवाचौथ का पर्व मनाने की व्यवस्था की जा रही है। जेल प्रशासन निजी संस्था के सहयोग से महिला बंदियों को व्रत की सामग्री और श्रृंगार का सामान उपलब्ध कराएगा,



ताकि वे परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर सकें।

जिला कारागार में विभिन्न मामलों में निरुद्ध महिला बंदियों के लिए करवाचौथ के अवसर पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। घर-परिवार से दूर जेल में रह रही इन महिलाओं के लिए त्योहार के दिन अपने रीति-रिवाजों का पालन करना भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। जेल प्रशासन निजी संस्थाओं के सहयोग से महिला बंदियों को व्रत रखने के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध करागा।

बाइक से गिरी महिला के सिर से निकल गया बस का पहिया



कृष्णा नगर चौराहे पर हुए सड़के हादसे के बाद मौके पर पहुंचे डीएम-एसएसपी।

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर चौराहे के समीप मोहन हलवाई की दुकान के सामने बेटे की शादी का सामान खरीदने के लिए पति-पत्नी जा रहे थे, अचानक बाइक से महिला सड़क पर गिर गई। सड़क पर गिरी महिला के सिर को कुचलती हुई बस निकल गई। महिला की मौके पर मौत हो गई।

दुर्घटना को देख सड़क पर मौजूद लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। शुक्रवार करीब साढ़े चार बजे गोवर्धन चौराहे की ओर से देवीपुरा के रहने वाला देवीचरन अपनी पत्नी गुड्डी के साथ बाइक से बेटे की शादी का सामान खरीदने के लिए जा रहा था। बाइक जैसे ही कृष्णानगर चौराहे के समीप मोहन कचौड़ी वाले की दुकान के समीप पहुंची, तभी अचानक गुड्डी बाइक से

सड़क पर गिर गई।

इसी दौरान बस महिला के सिर को कुचलती हुई निकल गई। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने शव को मोरचरी भेज दिया।

सड़क पर गुड्डी का शव आधे घंटे से अधिक समय तक पड़ा रहा। मौके पर मौजूद कई लोग मदद के लिए आगे आने के बजाय मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। घर में बेटे की शादी की तैयारियां चल रही थीं। महज 12 दिन बाद आंगन से बारात उठनी थी। मां गुड्डी के मन में बेटे की शादी को लेकर डेरों अरमान थे। उसे बाजार से शादी का सामान खरीदना था, बेटे को दूल्हा बनते देखना था और बहू के स्वागत की तैयारियां करनी थीं।

जेल में बंद पति-पत्नी की शाम को होगी मुलाकात

करवाचौथ के अवसर पर उन दंपतियों के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी, जिनमें पति और पत्नी दोनों जिला कारागार में निरुद्ध हैं। ऐसे पति-पत्नी की शाम के समय मुलाकात कराई जाएगी। इससे महिला बंदियों को पर्व पर अपने पति से मिलने का अवसर मिल सकेगा। मुलाकात जेल प्रशासन के निर्धारित नियमों और व्यवस्था के अनुरूप कराई जाएगी। करवाचौथ का पर्व 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

जेल में निरुद्ध हैं महिला बंदी

वर्तमान में जिला कारागार में कुल 70 महिलाएं निरुद्ध हैं, जिनके साथ 6 वर्ष तक की उम्र के 10 बच्चे भी जेल में निवासरत हैं। इनमें कई महिलाएं विदेशी भी हैं। साथ ही कुछ महिला बंदी मुस्लिम भी हैं। मुस्लिम महिला बंदियों ने भी करवा चौथ का व्रत रखने की इच्छा जेल प्रशासन से की है। जेल प्रशासन उन्हें भी व्रत की सामग्री और श्रृंगार का सामान उपलब्ध कराएगा।

करवाचौथ के पर्व पर महिला बंदी व्रत रखेंगी। इसके लिए निजी संस्था के सहयोग से उन्हें व्रत और श्रृंगार का सामान उपब्ध कराया जाएगा। जेल में निरुद्ध पति पत्नी की शाम के समय मुलाकात कराई जाएगी।

अंशुमन गर्ग, जेल अधीक्षक।

परखम में विहिप की अखिल भारतीय गौ रक्षा बैठक शुरू



दीनदयाल कामधेनु गौशाला में गौ पूजन करते अजीत महापात्रा एवं अन्य पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व हिंदू परिषद के गौ रक्षा विभाग की अखिल भारतीय बैठक शुक्रवार को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, गौ ग्राम परखम में शुरू हुई। शुभारंभ केंद्रीय अध्यक्ष संत राजा भारती, अजीत महापात्रा, गुरु प्रसाद शर्मा, गौ रक्षा प्रमुख दिनेश उपाध्याय और हुकुमचंद सावला सहित अधिकारियों ने भारत माता एवं गौ माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। भारत माता की जय और गौ माता की जय के नारों से पंडाल गूंज उठा। बैठक में देशभर के 12 क्षेत्रीय

और 42 प्रांतों के पदाधिकारियों ने पूर्व कार्यों की समीक्षा की तथा गौ माता का महत्व घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। व्यवस्थाओं में सर्वव्यवस्था प्रमुख राकेश त्यागी, योगेश गौतम, गंगा प्रसाद पाठक, सुरेंद्र चौधरी, विपिन मिश्रा, गोकुलेश गौतम, विमल कुमार, एलम सिंह, विनय कुमार, महेश जादौन, निखिल कुमार, वीरेंद्र परखम, सिवान गुप्ता, सुनील चौहान, देवांश, देवेश, ऋषभ दीक्षित, गौरव और उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन से टूटी सड़कों की होगी मरम्मत, जारी किए हेल्पलाइन नंबर

यूनिक समय, मथुरा। जल जीवन मिशन के तहत पानी की पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने संबंधित विकास खंडों के खंड विकास अधिकारियों और लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंताओं के माध्यम से सड़कों का सर्वे कराकर चिन्हांकन शुरू करा दिया है।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि सर्वे पूरा होने के बाद शेष क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत संबंधित कार्यदायी संस्था से कराई जाएगी। इसके अलावा आमजन की शिकायतें प्राप्त करने के लिए राजीव भवन परिसर में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके लिए मोबाइल नंबर 7895065952 और

क्षतिग्रस्त सड़कों का सर्वे कराकर कराया जाएगा चिन्हांकन

राजीव भवन कंट्रोल रूम में दर्ज करा सकेंगे लोग अपनी शिकायत

9045207194 जारी किए गए हैं।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जल जीवन मिशन के कार्यों के दौरान उनके क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की जानकारी इन नंबरों पर देकर शिकायत दर्ज कराएं।

इससे संबंधित सड़कों की पहचान कर उनकी मरम्मत की कार्यवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

Aakash CIMS
Super Speciality Hospitals
मथुरा बूज में पहली बार
India's Most Advanced

CRRT
(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)
(Continuous Renal Replacement Therapy)
किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,
नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग
डॉ. आशीष शर्मा
MBBS, DNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

Call Connect +91-9258113570, 9258113571
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंडलैस इलाज उपलब्ध
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावैली, एन.एच.19, मथुरा

CRRT के लाभ
BENEFITS OF CRRT
CRRT उन गम्भीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंदकर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।
यह किडन-फिल फिल्टरों से मदद करता है?

- Uremia
- Fluid Overload
- Electrolyte Imbalance
- Acidosis
- Hyperkalemia
- Brain Injury
- Septic Shock
- Poisoning
- Liver Failure
- Lung Failure
- Heart Failure
- और भी कई मरीजों के लिए

हत्या के मामले में तीन सगे भाईयों सहित पांच पर दोषसिद्ध

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र स्थित आझई खुर्द में हुई हत्या के मामले में जिला जज विकास कुमार की अदालत ने तीन सगे भाईयों सहित पांच लोगों को दोषी करार दिया है। सजा पर सुनवाई के लिए अदालत ने 28 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने की।

आझई खुर्द निवासी भूपन सिंह पुत्र गिरांज अपने दो भतीजे धीरू उर्फ धीरज और गोपाल पुत्रगण लखन सिंह निवासी गांव बड़ोता थाना वृंदावन के साथ ग्राम बसौती थाना गोवर्धन में पूरन सिंह के यहां एक सितंबर 2016 को गए थे। इसके बाद उन्होंने गोवर्धन की परिक्रमा दी थी। परिक्रमा के बाद भूपन सिंह अपने दोनों भतीजों के साथ देर रात गांव लौट रहे थे। रात करीब दो बजे आझई में चतुरी पंडित के खेत के पास पहले से घात लगा कर बैठे हथियार बंद लोगों ने उन्हें घेर लिया। हमलावरों ने धीरू उर्फ धीरज पर असलाह और फरसे से हमला कर उसकी हत्या कर दी। भूपन सिंह ने गांव के ही सत्तो, भंडारी उर्फ भूदेव, डूंगर पुत्रगण स्वर्गीय रघुनाथ को नामजद करते हुए दो-तीन अज्ञात हत्यारों के खिलाफ वृंदावन

सजा पर 28 अक्टूबर को जिला जज की अदालत में होगी सुनवाई

वर्ष 2016 में वृंदावन कोतवाली क्षेत्र में हुई थी हत्या की वारदात

कोतवाली में भतीजे की हत्या किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस की विवेचना में धर्म सिंह उर्फ धर्मो पुत्र पूरन सिंह निवासी ग्राम जुझार चौमुहा, देवी सिंह पुत्र लोहरे भगत जी निवासी आझई खुर्द के नाम प्रकाश में आए थे। पुलिस ने सभी के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई जिला जज विकास कुमार की अदालत में हुई। डीजीसी शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि अदालत ने तीन सगे भाईयों सहित पांच लोगों को धीरू उर्फ धीरज की हत्या का दोषी करार दिया है। सजा पर 28 अक्टूबर को अदालत में सुनवाई होगी। उन्होंने बताया कि इसमें लाखन नाम का आरोपी भी प्रकाश में आया था। सुनवाई के दौरान हाजिर नहीं होने पर अदालत ने उसके वारंट जारी कर दिए हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर रमेश बाबा को भावभीनी श्रद्धांजलि



गोलोकवासी संत रमेश बाबा को श्रद्धांजलि देते श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की भक्ति, गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवन समर्पित करने वाले बरसाना के गोलोकवासी संत रमेश बाबा महाराज को शुक्रवार शाम श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। हरिनाम संकीर्तन के बीच उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर स्मरण किया गया।

संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने भगवान श्रीकेशवदेव, गर्भगृह और भागवत भवन में दर्शन किए। भागवत भवन में श्रीराधाकृष्ण युगल सरकार के श्रीचरणों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुष्प-तुलसीदल अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं और ब्रजवासियों ने

हरिनाम संकीर्तन के बीच किया स्मरण, पुष्प-तुलसीदल किए अर्पित

भी बाबा के सेवा-संकल्पों को आगे बढ़ाने की प्रार्थना की। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि रमेश बाबा का जीवन राधा-कृष्ण भक्ति, गौसेवा, गिरिराज वनांचल संरक्षण और यमुना को निर्मल बनाने के प्रयासों को समर्पित रहा। उनके आदर्श समाज को प्रेम, करुणा और निष्काम सेवा की प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि यात्रा में नन्दकिशोर गुसाई, सुनील शर्मा, पवन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सागर अग्रवाल, मनोज अग्रवाल और अनिल सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

ब्रज तीर्थ उत्सव 2026

श्री नरेन्द्र मोदी
(प्रधानमंत्री)

श्री योगी आदित्यनाथ
(मुख्यमंत्री)

30प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड

हर घर खादी घर घर खादी

खादी फॉर फैशन, खादी फॉर नेशन

दिनांक:
23 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2026

ट्रेनों में जहरखुरानी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में परिक्रमा करने आई मध्य प्रदेश निवासी वृद्धा को नशीली चाय पिलाकर अचेत करने और जेवरात-नकदी लूटने के आरोपी को जीआरपी की विशेष चेकिंग टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वृद्धा से लूटे गए जेवरात और नशीली दवा की तीन पुड़िया बरामद की गई हैं। आरोपी के खिलाफ अलीगढ़ और मथुरा समेत विभिन्न थानों में जहरखुरानी, लूटपाट और असलाह रखने के करीब 10 मुकदमे दर्ज हैं।

ट्रेनों में आपराधिक वारदातों की रोकथाम के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष चेकिंग टीम गठित की गई है। शुक्रवार को जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, एसएसआई ललित कुमार भाटी और आरपीएफ के उप निरीक्षक सुजीत चंदेल ने मुखबिर की सूचना पर धौलीप्याऊ फाटक के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने



पुलिस हिरासत में ट्रेनों में जहर खुरानी करने वाला आरोपित।

अपना नाम संजय पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम भरतरी, थाना गभाना, जिला अलीगढ़ बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से पीली धातु की दो अंगूठियां, एक चेन, सफेद धातु की एक चेन और नशीली दवा की तीन पुड़िया बरामद हुईं। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि

जून में अधिक मास के दौरान परिक्रमा करने आई मध्य प्रदेश के सीहोर निवासी श्यामा झावर को आरोपी ने नशीली चाय पिलाकर अचेत कर दिया था। इसके बाद वह उनका बैग लेकर फरार हो गया था। बैग में सोने-चांदी के जेवरात के अलावा पांच हजार रुपये नकद रखे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि

आरोपी से लूटे गए जेवरात और नशीली दवा की तीन पुड़िया बरामद

अधिक मास माह में परिक्रमा करने आई थी पीड़िता

आरोपी के खिलाफ दर्ज हैं 10 मुकदमें

आरोपी के खिलाफ अलीगढ़ और मथुरा समेत विभिन्न थानों में जहरखुरानी, लूटपाट और असलाह रखने के करीब 10 मुकदमे दर्ज हैं। विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मथुरा-अलवर रेल ट्रैक पर ट्रेन से कटकर नीलगाय और भैंस की मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-अलवर रेल ट्रैक पर सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण गुरुवार रात दो अलग-अलग घटनाओं में ट्रेन की चपेट में आकर नीलगाय और भैंस की मौत हो गई। हालांकि, दोनों हादसों के बावजूद रेल यातायात पर कोई असर नहीं पड़ा।

पहली घटना ग्राम मौरा और भूतेश्वर के बीच किलोमीटर संख्या 1402 के पास हुई। यहां अलवर-मथुरा पैसंजर ट्रेन की चपेट में आने से नीलगाय की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेन के चालक ने ट्रेन रोककर कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दी।

वहीं, दूसरी घटना राधाकुंड और गोवर्धन के बीच हुई, जहां बाइमेर एक्सप्रेस से कटकर भैंस की मौत हो गई। अनुमान है कि रेलवे ट्रैक के सहारे रहने वाले किसी किसान की भैंस रात के समय खुलकर ट्रैक पर पहुंच गई

वृंदावन में नौ वर्षीय बालिका लापता

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र में नौ वर्षीय बालिका के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में बालिका के पिता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बेटी को तलाशने की गुहार लगाई है। बसेरा बैकुंठ निवासी व्यक्ति ने बताया कि उनकी बेटी नौ वर्ष 20 अक्टूबर को दोपहर से एक बजे के बीच वह अपनी बड़ी बहन पिकी से झगड़ा करने के बाद बिना बताए कहीं चली गई।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNL-UPHIN/2023/85053

DAVP:- 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

Green Gold Grocers
VEDIC AHAAR

ROASTED DALIA

**स्वाद में लाजवाब
सेहत में बेहतरीन
भुना दलिया।**

OUR PRODUCTS

- M.P Wheat Atta
- Missa Atta
- Murmura
- Roasted Daliya
- Multi Grain Atta
- Makka Atta
- Poha
- Kuttu Atta
- Multi Millet Atta
- Bajra Atta
- Sooji
- Maida

www.greengoldgrocers.com 8272013780

प्लाट के विवाद में भाई और भतीजों ने की दूसरे भाई की हत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता के गांव दौताना में प्लाट के निर्माण को लेकर भाइयों के बीच हुए झगड़े में एक भाई और उसके बेटों ने पीट-पीट कर दूसरे भाई की हत्या कर दी।

पोस्टमार्टम ग्रह पर आए परिवारीजनों ने बताया कि गांव दौताना में चंपा लाल और उसके दो अन्य भाई रगन और महावीर हैं। चंपा लाल राज मिस्त्री का काम करता है। बताया गया कि उसके भाई महावीर ने प्लाट की अपने हिस्से की जमीन को बेच दिया था। शुक्रवार को चंदौरी रोड पर स्थित प्लाट को रगन नीवं भर रहा था। चंपा लाल भी वहां बैठा हुआ था। प्लाट की नींव भरने का पता जैसे ही महावीर और उनके पुत्रों को लगा तो वह प्लाट में अपना हिस्सा बताते हुए काम बंद कराने लगे।

अपना हिस्सा बेचने के बाद भी मांग रहे थे प्लाट में हिस्सा

इस बात पर विवाद हो गया। चंपा लाल (60) के बोलने पर महावीर और उसके दो बेटे अमित और जितेंद्र ने उसके साथ लात घूसों से बुरी तरह मारपीट की। मारपीट में चंपा लाल की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में रगन ने थाना छाता में आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

के.डी. मेडिकल कॉलेज
हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर

फ्री फाइब्रोस्कैन जांच
स्थान: केडी मेडिकल कॉलेज
ओ.पी.डी 6 रुम नं. 2133
दिनांक 24 अक्टूबर 2026 (शनिवार)
समय: 10:00 AM से 3:00 PM

लिवर की जाँच कम्प्यूटाइज्ड मशीन द्वारा

लिवर की बीमारियों की जांच

अगर आपको ये समस्याएँ हैं

- डायबिटीज
- फैटी लिवर
- कोलेस्ट्रॉल
- अल्कोहलिक लिवर
- हेपेटाइटिस बी/सी

24 घण्टे सेवाएँ

ओ.पी.डी. समय
प्रातः 9:00 बजे से
सायं 4:00 बजे तक

K.D. HOSPITAL
MULTISPECIALITY
K.D. MEDICAL COLLEGE
DENTISTRY & RESEARCH CENTER
K.D. UNIVERSITY
TRAUMA CENTER

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत से इलाज की सुविधा

भारतीय रेल्वे से सम्बद्ध

हेल्थ इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की सुविधा

ECHS की सुविधा

अकबरपुर, छाता, मथुरा

7055400400, 7088105741

बरसाना बाजार में मारपीट और जान से मारने की धमकी

यूनिक समय, बरसाना। थाना क्षेत्र में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में भगवान सिंह निवासी ग्राम सुमेरा की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। घटना 17 अक्टूबर की शाम करीब सात से आठ बजे के बीच बरसाना बाजार में हुई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, वह बाजार में मिठाई की दुकान पर लड्डू लेने गए थे। इसी दौरान दुकानदार से किमत को लेकर बातचीत हुई। आरोप है कि इसके बाद विजे और उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। शिकायत में सिर पर लाठी-डंडे से वार करने और शरीर पर चोटें आने का आरोप भी लगाया गया है। भगवान सिंह ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

बरसाना पुलिस ने तमंचे के साथ युवक को पकड़ा

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने अवैध तमंचा बरामद करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अमित निवासी राधानगर, जिला डीग, भरतपुर, राजस्थान के रूप में हुई है। ललिता रिसॉर्ट वाले रास्ते पर उन्नागांव के निकट पानी की टंकी के पास पकड़े गए युवक से 315 बोर का एक तमंचा बरामद हुआ। आरोपी ने बताया कि वह इसे अपनी सुरक्षा के लिए रखता था।

फरह में जमीन के सौदे में धोखाधड़ी का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह क्षेत्र में जमीन के सौदे से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सचिन यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया गया है कि एक जनवरी 2024 को जमीन के संबंध में समझौता हुआ था। आरोप है कि जमीन के सौदे और उससे जुड़े लेनदेन में उसके साथ धोखाधड़ी की गई। शिकायत में कुल 33.50 लाख रुपये के खर्च और लेनदेन का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति ने समझौते के अनुसार काम नहीं किया और जमीन बेचने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी। मामले में हरीशंकर पुत्र रेवती लाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस मामले में दर्ज शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

करवा चौथ पर बाजार में बनारसी सिल्क साड़ियों का बढ़ा क्रेज

शहर और कृष्णा नगर बाजार में उमड़ी खरीदारी की भीड़

लाल, मेहरून, मेहंदी और क्रीम रंग महिलाओं की पसंद में शामिल

यूनिक समय, मथुरा। करवा चौथ के त्योहार को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी का उत्साह बढ़ने लगा है। सुहागिन महिलाएं व्रत की तैयारियों के साथ ही अपने लिए आकर्षक साड़ियों और पारंपरिक परिधानों की खरीदारी में जुट गई हैं। शहर के अलावा कृष्णा नगर बाजार में



कृष्णा नगर स्थित दुकान पर साड़ी देखती महिलाएं।

इन दिनों अलग ही रैनक देखने को मिल रही है। कपड़ों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ नजर आने लगी है। कोई अपनी पसंद की साड़ी तलाश रही है तो कोई नए



करवा चौथ को बालाजी एपोरियम में साड़ी पसंद करती महिलाएं।

फैशन और डिजाइन के परिधानों को प्राथमिकता दे रही है। बाजार में सबसे ज्यादा मांग बनारसी सिल्क साड़ियों की बताई जा रही है। करवा चौथ पर पारंपरिक

परिधानों का अपना अलग महत्व है। इस अवसर पर महिलाएं ऐसी साड़ियां पसंद कर रही हैं, जो खूबसूरत होने के साथ त्योहार के पारंपरिक रंग में भी रंगी हों। व्यापारियों

लाल के साथ मेहरून, मेहंदी और क्रीम रंग की भी मांग

न्यू बाबा सूट कलेक्शन के ओनर हिंतेश वासवानी ने बताया कि इस समय बनारसी सिल्क, मिरर वर्क, ऑर्गन और चंदेरी के कपड़े नए ट्रेंड में चल रहे हैं। इनमें बनारसी सिल्क साड़ियों की मांग सबसे ज्यादा है। रंगों की बात करें तो पारंपरिक लाल रंग के अलावा मेहरून, मेहंदी, ब्राउन और क्रीम रंग भी महिलाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। इन रंगों की साड़ियों और कपड़ों की खरीदारी की जा रही है। इसके साथ ही अन्य रंगों के परिधान भी बाजार में उपलब्ध हैं। करवा चौथ को लेकर बाजारों में बढ़ती चहल-पहल से व्यापारियों के चेहरे भी खिलने लगे हैं। दुकानदारों को त्योहार के दौरान अच्छी बिक्री की उम्मीद है। आने वाले दिनों में बाजारों की रैनक और बढ़ने की संभावना है।

के अनुसार, इस बार बनारसी सिल्क साड़ियों का खास क्रेज देखने को मिल रहा है। इनकी आकर्षक बनावट और पारंपरिक अंदाज महिलाओं को खूब पसंद आ रहा है। इसके अलावा मिरर वर्क वाली साड़ियां और कपड़े भी फैशन में बने हुए हैं। ऑर्गन

और चंदेरी के कपड़ों की भी मांग है। महिलाएं अपनी पसंद, डिजाइन और अवसर के हिसाब से परिधानों का चयन कर रही हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि त्योहार नजदीक आने के साथ खरीदारी में और तेजी आएगी।

जन्मस्थान पर हुआ शांति पाठ, 21 दिवसीय श्री रामलीला महोत्सव का समापन



रामलीला महोत्सव समापन पर शांति पाठ के दौरान हवन में आहुति देते पदाधिकारी और आचार्य।

यूनिक समय, मथुरा। श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में श्री कृष्ण जन्मस्थान लीला मंच पर 21 दिवसीय रामलीला महोत्सव का समापन शांति पाठ के साथ हुआ। 21 दिन पूर्व गणेश और मुकुट पूजन के दिन पं. गोविन्द गोस्वामी, प्रणव गोस्वामी के आचार्यत्व और अनिल स्वामी के निर्देशन में जिन देवताओं का आह्वान किया गया था। शांति पाठ के दिन उन सभी का विसर्जन और हवन आदि क्रियाएं करा कर राम, लक्ष्मण, सीता, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान के स्वस्वों और सभी पात्रों के वर्ण खोले गये। प्रसाद सेवा सभापति

जयन्ती प्रसाद अग्रवाल ने की। इस अवसर गोपश्वर नाथ चतुर्वेदी, सभापति जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, उपसभापति नन्दकिशोर अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, महामंत्री मूलचन्द गर्ग, उपमहामंत्री, प्रदीप सर्गफ पीके, विजय सर्गफ किरोड़ी, कोषाध्यक्ष शैलेश सर्गफ, आय-व्यय निरीक्षक अजय मास्टर, पं. शशांक पाठक, सुरेन्द्र शर्मा खौना, संजय बिजली, हेमंत अग्रवाल, पं. अमित भारद्वाज, रामगोपाल शर्मा, विष्णु शर्मा, किस्सो शर्मा सहित सभा के सदस्य और सहयोगी आदि उपस्थित थे।

सख्त पहरे में शिक्षकों ने चुना अपना विधान परिषद प्रतिनिधि, स्नातक वर्ग में भी दिखा उत्साह

यूनिक समय, कोसीकलां। शिक्षक खुद अपने भविष्य के लिए वोट डालने निकलें, तो नजारा देखने लायक होता है। ऐसा ही नजारा शुक्रवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय में देखने को मिला, जहां शिक्षक वर्ग और स्नातक वर्ग विधान परिषद सदस्य के लिए मतदान हुआ। सुबह आठ बजे से ही नगर पालिका कार्यालय गेट पर पुलिस का कडा पहरा था। बिना आईडी के किसी को अंदर प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। समय पर मतदान शुरू होते ही शिक्षकों की कतार लग गई। एक-एक करके सभी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तहसीलदार, सीओ भूषण वर्मा और थाना प्रभारी कमलेश सिंह



मतदान के बाद निशान दिखाते भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे और उनकी पत्नी।

खुद व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। मतदान अधिकारियों के अनुसार, केंद्र पर शिक्षक वर्ग में कुल 250 में से 197 मतदाताओं ने और स्नातक वर्ग में 564 में से 320 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया।

सुरक्षा दिखी चौकस छाया रहा सन्नाटा

यूनिक समय, मथुरा। विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक मतदान के दौरान बनाए गए सभी मतदान केंद्रों सुरक्षा चाक-चौबंद दिखी। मतदाता की सख्या कम होने से पुलिसकर्मी राहत में दिखे। सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदाता भी एक-एक करके आते रहे और शांति से मतदान चलता रहा। इस दौरान अधिकांश ही सन्नाटा छाया रहा।

नाम परिवर्तन
में राम नारायण F/O NO-15341952A हवलदार राजेश कुमार, युनिट 63 Eng Regt C/o 56 APO ने अपना नाम राम नारायण से बदलकर रामनारायण कर लिया है।

सरकारी कार्यालयों के परिसर में लगे भाजपा के बस्ते

सत्ता के साये में नियमों की बलि

बात करने से बचते रहे जिम्मेदार

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को शिक्षक और स्नातक विधान परिषद सदस्यों के लिए मतदान हुआ। जिले में इसके लिए कुछ इंटर कालेज और ब्लाक कार्यालय मतदान केंद्र बनाए गए। मतदान के दौरान सत्ता के साये में नियमों की बलि चढ़ी तो जिम्मेदार बात करने से कन्नी काटते रहे। सुबह से मतदान समाप्त होने



फरह में ब्लाक परिसर के समीप पशु अस्पताल में लगा भाजपा प्रत्याशियों का बस्ता।

तक चुनाव से जुड़े अधिकारी नियमों को तार-तार होते देखकर मौन साधे नजर

आए। शिक्षक और स्नातक एमएलसी मतदान के लिए सुबह आठ बजे मतदान

शुरू हुआ, लेकिन इससे पहले ही सत्ता का असर दिखाई देने लगा। ऐसा ही मामला फरह से जुड़ा सामने आया है, जहां भाजपाइयों ने प्रत्याशी का बस्ता सरकारी पशु अस्पताल में सजाया। बस्ता ही नहीं सजाया, बल्कि बाकायदा टेंट लगाया गया। पशु अस्पताल परिसर में लगाए गए भाजपा के इस बस्ते से मतदान केंद्र के परिसर में केवल सड़क की ही दूरी बनी हुई थी, यहां दिन भर अधिकारियों का आना-जाना रहा, लेकिन किसी ने इस आपत्ति उठाने नहीं की। इस दौरान भाजपा और सपा प्रत्याशियों के बस्तों पर जमघट दिखा, जबकि अन्य के बस्ते सूने नजर आए।

94 लाख से बनेगा गणेश मंदिर का मुख्य मार्ग, 20 लाख से नाला निर्माण

सांसद प्रतिनिधि और पार्षद ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम के वार्ड 36 जयसिंहपुरा की गणेश मंदिर के मुख्यद्वार से लेकर तमोली धर्मशाला तक इंटरलाकिंग सड़क और नाली निर्माण का सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा और पार्षद-कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने विधि-विधान से नारियल फोड़कर किया। स्थानीय लोगों ने सांसद प्रतिनिधि और पार्षद का स्वागत किया।



निर्माण कार्य को नारियल तोड़ते सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, साथ हैं पार्षद राकेश भाटिया।

सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा और पार्षद राकेश भाटिया ने बताया कि त्वरित योजना के तहत इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है। करीब 94

लाख रुपये से बनने वाली मुख्य सड़क से आवागमन में लोगों को काफी राहत मिलेगी। काफी समय से इस मार्ग की हालत काफी खराब हो चुकी थी। इस

सड़क के बनने से लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। इसके अलावा राधाकृष्ण वाटिका में करीब 200 मीटर सीसी नाला निर्माण का भी शुभारंभ किया गया। यह नाला करीब 20 लाख रुपये से बनेगा। इस नाला निर्माण से भी सड़क पर पानी नहीं बहेगा। इस मौके भाजपा नेता रवि शर्मा, आशु खंडेलवाल, ज्ञान नारायण अग्रवाल, मुकेश कुमार, नीरज रावत, उमेश बघेल, हरिओम शर्मा, गंगाराम सोनी, सुनील शर्मा, सनी ठाकुर, नदीम, सोनू कुमार आदि मौजूद रहे।

दीवाली पर चमका वृंदावन का पोशाक उद्योग

ठाकुरजी के नए वस्त्रों की मांग बढ़ी

कारीगरों को मिला रोजगार

यूनिक समय, वृंदावन। दीवाली पर्व जैसे-जैसे समीप आ रहा है, वैसे-वैसे कान्हा की नगरी वृंदावन के बाजारों में रैनक और खरीदारी का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। इस त्यौहारी सीजन का सबसे सकारात्मक असर ठाकुरजी की विशेष पोशाकें तैयार करने वाले कारोबारियों और कारीगरों पर देखा जा रहा है। दीवाली पर अपने आराध्य को भव्य और नई पोशाकों में सजाने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु बड़ी संख्या में ऑर्डर दे रहे हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों को अतिरिक्त रोजगार मिला है। रुक्मिणी विहार स्थित 'राधे बुटिक सेंटर' की संचालिका



ठाकुरजी को बनाई गई पोशाक।

सपना ने बताया कि त्योहार के कारण पोशाकों की मांग में भारी उछाल आया है। स्थानीय श्रद्धालुओं के अलावा दिल्ली, लखनऊ राजस्थान समेत देश के विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन बुकिंग आ रही है। उन्होंने बताया कि छोटी पोशाकों की रेंज 150 रुपये से शुरू होकर 2,500 रुपये तक उपलब्ध है।



ठाकुरजी के लिए नई पोशाक सिलती सपना।

ग्राहक अपनी पसंद, रंग और डिजाइन के अनुसार बदलाव भी करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पोशाकों को भव्य रूप देने के लिए गोटा, जरी, सितारे और विशेष सजावटी सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। कच्चे माल की महंगाई से बड़ी कीमतें, फिर भी बरकरार है उत्साह कारोबारियों के अनुसार, पोशाक

निर्माण में उपयोग होने वाली सजावटी सामग्री और धागों के दाम बढ़ने के कारण तैयार पोशाकों की कीमतों में थोड़ी वृद्धि जरूर हुई है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और मांग पर कोई असर नहीं पड़ा है। व्यापारियों को उम्मीद है कि दीवाली तक बिक्री का यह ग्राफ और ऊपर जाएगा।

न्याय पंचायत के खेल मैदान में बच्चों ने दिखाया दमखम

17 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, विजेता अब ब्लॉक स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में खेल प्रतिभा निखारने के लिए न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राथमिक विद्यालय लोहवन प्रथम में आयोजित प्रतियोगिता में 17 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। मैदान पर कहीं कबड्डी में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया तो कहीं दौड़, लंबी कूद और कुश्ती में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में विजेता रहे खिलाड़ी अब ब्लॉक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इसके बाद जिला स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पूजन के



न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को मेडल पहनाते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला मीडिया प्रमुख गोवर्धन दास गुप्ता।

साथ जिला मीडिया प्रमुख, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गोवर्धन दास गुप्ता, प्रधानाध्यापक बांकेलाल ने किया। कबड्डी प्रतियोगिता के प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालय लोहवन प्रथम की टीम विजेता रही। उच्च प्राथमिक स्तर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय लोहवन की टीम ने जीत दर्ज की। प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग लंबी कूद में तैयापुर के हर्ष प्रथम, लोहवन प्रथम के मयंक द्वितीय और नगला चमारन के कृष्णा

तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में उच्च प्राथमिक विद्यालय लोहवन की आभा प्रथम, तारपुर की ललित किशोरी द्वितीय और सिहोरा की नीलम तृतीय रही।

उच्च प्राथमिक स्तर की लंबी कूद में रायपुर मई के निखिल ने प्रथम, ईसापुर के चंदन ने द्वितीय और लोहवन के अरहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग दौड़ में नगला तेजा के हर्ष प्रथम, सिहोरा प्रथम के टीटू द्वितीय और गौसना के प्रवीण

तृतीय रहे। बालिका वर्ग में तारपुर की ललित किशोरी प्रथम, लोहवन प्रथम की आरुषि द्वितीय और गौसना की दुर्गेश तृतीय स्थान पर रही।

उच्च प्राथमिक स्तर की बालक वर्ग दौड़ में ईसापुर के चंदन प्रथम, रायपुर के अंकित द्वितीय और लोहवन के दीपेश तृतीय रहे। बालिका वर्ग में रायपुर की सुमन प्रथम, रायपुर की ही चांदनी द्वितीय और लोहवन की किंजल तृतीय स्थान पर रही। उच्च प्राथमिक स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता में रायपुर के अंकित प्रथम, रायपुर के निखिल द्वितीय और लोहवन के साबिर तृतीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अनिल वर्मा, तीर्थ मोहन चूड़ामणि, प्रमोद कुमार वर्मा, अरुण, गोपाल सारस्वत, देवेन्द्र शर्मा, प्राची अग्रवाल, नेहा शर्मा, बीना यादव, रश्मि शर्मा, रेनु बाला गुप्ता, रंजना वर्मा और राखी अग्रवाल, संजय सिंह, अनुपम, शीतल मौजूद रही।

भारतीय संगीत की अवधारणाओं के महत्व पर हुई कार्यशाला



कार्यशाला में मौजूद प्राचार्य पल्लवी सिंह और छात्राएं, शिक्षिकाएं।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संगीत गायन विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य पल्लवी सिंह के सानिध्य में आयोजित कार्यशाला में संगीत की एमए और बीए की छात्राओं ने भाग लिया।

संगीत गायन विभाग की डॉ. आम्रपाली त्रिवेदी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में प्रख्यात संगीत मनीषी डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल ने भारतीय संगीत की मूलभूत अवधारणाओं और जीवन में उसके महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं ने

मंगल तिलक और स्वागत के साथ किया। इस दौरान राग भीमपलासी और अड़ाना की बंदिशों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल ने भारतीय संगीत की मूलभूत अवधारणाओं और जीवन में उसकी उपयोगिता पर जानकारी दी। प्राचार्य पल्लवी सिंह ने भी संगीत के अध्ययन और उसकी परंपरा को समझाया। कार्यशाला में तनुजा अग्रवाल, रश्मि शर्मा, कविता कनोजिया, मोनिका दीक्षित, रेखा रानी, डॉ. अनुपम मिश्रा, विनीता, कोमल वाण्य और डॉ. आकांक्षा सारस्वत मौजूद रही।

अचानक बदला मौसम, बूँदाबांदी और तेज हवाओं से बढ़ी ठंडक

यूनिक समय, मथुरा। शाम होते ही अचानक मौसम ने करवट ले ली। जिले में बूँदाबांदी और तेज हवाओं के चलते मौसम का मिजाज बदल गया। कहीं हल्की बूँदाबांदी हुई तो कहीं तेज बारिश देखने को मिली। अचानक बदले मौसम से लोगों को हवाओं के चलते मौसम में ठंडक भी महसूस होने लगी। शाम के समय आसमान में बादल छाने और हवाएं चलने से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। दिनभर सामान्य रहे मौसम के बाद अचानक हुई बूँदाबांदी से लोगों

खेत पर किसान के साथ गाली-गलौज और मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव थाना क्षेत्र में खेत पर गए एक व्यक्ति के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नारायण सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 13 अक्टूबर को सुबह करीब छह बजे वह अपने खेत पर गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद विजय सिंह, पप्पू, मुन्ने और योगेश ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से भाग गए।

राजीव एकेडमी के तीन सौ विद्यार्थियों को मिले निःशुल्क हेलमेट

यूनिक समय, मथुरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और युवाओं को सुरक्षित यातायात व्यवहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा में 'राइड वाइज, स्टे सेफ' रोड सेफ्टी बूटकैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के तीन सौ विद्यार्थियों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए, सड़क सुरक्षा के नियमों और सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया गया।

त्रिगुणा-द साइंस ऑफ लिविंग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में आवास फाइनेंशियर्स लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के अंतर्गत सहयोग प्रदान किया। बूटकैम्प में विद्यार्थियों को बताया गया कि सड़क सुरक्षा केवल



विद्यार्थियों को हेलमेट वितरित करते पदाधिकारी।

यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी भी है। विशेषज्ञों ने सुरक्षित ड्राइविंग, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, यातायात संकेतों का पालन करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। बूटकैम्प का प्रमुख आकर्षण तीन

सौ विद्यार्थियों को निःशुल्क हेलमेट वितरण रहा। त्रिगुणा की टीम की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित करना और उनमें सुरक्षित दोपहिया वाहन संचालन की आदत विकसित करना था। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है।

बताए यातायात के नियम, सुरक्षित ड्राइविंग का दिया संदेश

युवाओं को यातायात नियमों का पालन करने और जिम्मेदार वाहन चालक बनने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

संस्थान के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक से जुड़ा महत्वपूर्ण सामाजिक विषय है। शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान देने के साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। राजीव एकेडमी की ओर से कार्यक्रम के सफल आयोजन में त्रिगुणा-द साइंस ऑफ लिविंग की टीम के योगदान, समन्वय और समर्पण की सराहना की गई।

84,816 अभ्यर्थियों की परीक्षा 33 केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। जिले में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। 25 और 30 अक्टूबर, एक नवंबर को होने वाली परीक्षा में 84,816 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए जिले में 33 केंद्र बनाए गए हैं। तीन तारीखों में दो पालियों में होने वाली परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा का मजबूत घेरा तैयार किया है। परीक्षा केंद्रों से लेकर प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा तक पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। परीक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट और एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इस तरह कुल 66 मजिस्ट्रेट परीक्षा की व्यवस्थाओं पर नजर रखेंगे।

25 अक्टूबर से शुरू होने वाली परीक्षा को देखते हुए शुक्रवार को

कड़े इंतजाम के बीच रखी गई उत्तर पुस्तिकाएं

तीन तिथियों में दो पालियों में होगी परीक्षा 66 मजिस्ट्रेट संभालेंगे व्यवस्था

प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाओं को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है, जहां एआइ कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। परीक्षा केंद्रों पर नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। अभ्यर्थियों को मोबाइल फोन, घड़ी सहित प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। केंद्रों पर अभ्यर्थियों की जांच और निगरानी के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा।

भक्त राम राज्याभिषेक के साथ गूंजे जयकारे



राजतिलक के बाद भाइयों, मां जानकी और हनुमान के साथ विराजमान भगवान राम के स्वरूप।

यूनिक समय, सुरीर। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में कस्बा मांट के रामलीला मैदान में चल रहे रामलीला महोत्सव का भक्त राम राज्याभिषेक के साथ धूमधाम से समापन हो गया। भगवान श्रीराम के राजा बनने की लीला को देखने के लिए क्षेत्रभर से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा रामलीला मैदान जयकारों से गूंज उठा।

रामलीला मंच पर वशिष्ठ मुनि और अन्य ऋषि-मुनियों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक संपन्न हुआ। माता सीता और श्रीराम के राज सिंहासन पर विराजमान होते

ही पूरा पंडाल "राजा राम की जय" और "सियावर रामचंद्र की जय" के नारों से गूंज उठा। इस दौरान देवताओं द्वारा पुष्प वर्षा और भक्त आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया, जिसने आयोजन में चार चांद लगा दिए। महोत्सव के सफल समापन पर श्री आदर्श रामलीला कमेटी के सभी पदाधिकारियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने बड़-चढ़कर सहयोग किया। कमेटी की ओर से रामलीला मंचन में सहयोग देने वाले कलाकारों और गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। अंत में महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

शरद पूर्णिमा यमुना दर्शन की झांकी रही प्रथम

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रीरामलीला संस्थान द्वारा आयोजित ऐतिहासिक श्रीराम भरत मिलाप मेले में इस वर्ष निकली प्रमुख झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

मेले के सफल आयोजन के बाद श्री रामलीला संस्थान के मीडिया प्रभारी नवल अग्रवाल ने झांकियों का अंतिम परिणाम घोषित किया। उन्होंने बताया कि निर्णायक मंडल द्वारा सभी झांकियों की सजावट, भव्यता और धार्मिक भाव के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान दिया गया है। प्रथम स्थान शरद पूर्णिमा यमुना दर्शन निर्माता माधव शर्मा,

द्वितीय स्थान कृष्ण-बलराम बधाई महोत्सव निर्माता वेद शर्मा, तृतीय स्थान ओरछा के राम जी नौका विहार दर्शन निर्माता वेद शर्मा इसके अलावा चतुर्थ स्थान जगन्नाथपुरी दर्शन और पंचम स्थान उदयपुर के जगदीश भगवान (दोनों के निर्माता अरविंद बाबा) को भी सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया है। मीडिया प्रभारी नवल अग्रवाल ने बताया कि 17 नवंबर को भरत मिलाप चौक पर सभी विजेता झांकी निर्माताओं को श्रीरामलीला संस्थान द्वारा मंच पर स्मृति चिन्ह और नगद पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया जाएगा।

पूर्व रालोद नगर अध्यक्ष के पिता के निधन पर सर्राफा बाजार बंद
यूनिक समय, कोसीकलां। राष्ट्रीय लोक दल के पूर्व नगर अध्यक्ष कमलकांत वर्मा के पिता और सर्राफा बाजार के वरिष्ठ स्वर्णकार रामकिशन स्वर्णकार का गुरुवार को बीमारी के चलते निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर लगते ही पूरे सर्राफा बाजार में शोक छा गया। उनके सम्मान में शुक्रवार को पूरा सर्राफा बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बताया गया है कि स्व. रामकिशन स्वर्णकार पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका उपचार चल रहा था। सुबह उन्होंने अपने निवास पर अंतिम सांस ली। दोपहर में उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास बल्देवगंज से गमगीन माहौल में शमशान घाट के लिए निकाली गई, जिसमें सैकड़ों व्यापारी, रालोद कार्यकर्ता, भाजपा, कांग्रेस सहित सभी दलों के नेता और नगर के गणमान्य लोग शामिल हुए और नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

साकेत उतरा कोसी की धरा पर: जब आंसुओं की सरयू में तैरकर गले मिले राम और भरत

भरत मिलाप देख छलक उठी भक्तों की आंखें



राम-भरत मिलाप मेले में शंकर की झांकी।



राम-भरत मिलाप मेले में राधा-कृष्ण की झांकी।



राम-भरत मिलाप मेले में नृसिंह-प्रह्लाद की झांकी।

'परे भूमि नहीं उठत उठाए...': जीवंत हुई त्रेतायुगीन आस्था आंसुओं से हुआ राम-भरत का संगम

यूपी, हरियाणा और राजस्थान तक से पहुंचे लाखों श्रद्धालु, हर आंख में थे प्रेम और भक्ति के आंसू

यूनिक समय, कोसीकलां। गुरुवार शाम छह बजे का समय, स्थान भरतमिलाप चौक। हवा में बैड-बाजे नहीं, एक सिसकी थी, एक इंतजार था। लाखों आंखें एक ही द्वार पर टिकी थीं। तभी शंख बजा और आकाश चीरता हुआ उद्घोष उठा कि सियावर रामचंद्र की जय और जो हुआ, उसने सैंकड़ों साल पुराने इस मेले के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया।

भक्तों ने जमीन पर पैर रखना छोड़ दिया। कंधे से कंधा, सिर से सिर जोड़कर उन्होंने अपने शरीरों से सरयू बना दी। एक बहती हुई, सांस लेती हुई, जय श्रीराम कहती हुई सरयू और उसी सरयू पर, उसी प्रेम की लहरों पर तैरते हुए, दौड़ते हुए, गिरते-पड़ते भरत जी आए। सामने पुष्पक विमान पर मेरे राम खड़े थे। मोर मुकुट नहीं, जटाएं थीं। रेशम नहीं, वल्कल थे, लेकिन आंखों में वही करुणा थी जो शवरी के वेश में थी, जो केवट की नाव में थी। भरत ने देखा और खुद को रोक नहीं पाए। 'वो क्षण जब तुलसी जीवंत हो उठे' 'परे भूमि नहीं उठत उठाए। बरि करि कृपा सिंधु उर लाए'।

जिन चरणों में शिव झुकते हैं, ब्रह्मा झुकते हैं, बड़े-बड़े मुनि झुकते हैं, उन चरणों को भरत ने पकड़ लिया और भूमि पर गिर पड़े। उठते ही नहीं। लोग रो पड़े, महिलाएं घूंघट में सिसक पड़ीं। बुजुर्गों की लाटियां कांपने लगीं। मेरे राम वो कृपा सिंधु हैं। वो दंडवत को देख नहीं सकते। उन्होंने झुक कर, बरबस, अपने भरत को उठाकर छाती से लगा लिया। 14 साल का विरह एक क्षण में बह गया। चारों भाई ऐसे मिले जैसे प्राण शरीर से मिला हो। भरत ने जब माता जानकी के चरणों में शीश रखा तो जानकी माता की आंखें भी भर आईं। ये मिलन नहीं, ये रामायण का मोक्ष था।



कोसीकलां में गुरुवार रात श्रद्धालुओं के कंधों पर चलकर श्रीराम से मिलने से निकले भरत-शत्रुघ्न।



कोसीकलां के भरत-मिलाप मेले में पुष्पक विमान सवार होकर मेला स्थल जाते राम, लक्ष्मण और सीता के स्वरूप।

झांकियां, आतिशबाजी और भावुक विदाई

अलौकिक झांकियां: भगवान के 24 अवतारों की भव्य झांकियों ने ऐसा समां बांधा कि लगा मानो साक्षात श्री विष्णु भगवान ने धरती पर अवतार ले लिया हो। **भव्य आतिशबाजी:** आसमान में गूंजती आतिशबाजी ने एक बार फिर त्रेतायुग की अयोध्या की दीपावली को कोसीकलां में जीवित कर दिया। **भावुक विदाई:** राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान का स्वरूप धरे कलाकारों को जब विदाई दी गई, तो बच्चे हों या बुजुर्ग, सभी की आंखें नम थीं। ऐसा लग रहा था मानो कोई कलाकार नहीं, बल्कि घर का ही कोई अपना बिछड़ रहा हो।

लीला मंच से बताया गया कि जैसे ही पुष्पक विमान अयोध्या द्वार पर पहुंचा, हनुमान जी दौड़े। इधर भरत जी की भुजा फड़क उठी, नेत्र फड़क उठा। हृदय में हूक उठी, कारन कवन नाथ नहीं आयउ, जानि

कुटिल किधौ मोहि बिसरायउ। क्या प्रभु ने मुझे कुटिल समझ कर त्याग दिया, तभी हनुमान जी ने कहा कि भैया भरत तुम्हारे राम आ गए।

यह सुन भरत की आंखों से सावन-

राम- भरत का मिलाप देख भर आई आंखें

अगर राम ने अपने जीवन में मर्यादा का ध्यान रखा तो उनके छोटे भाई भरत ने भी पूरी निष्ठा के साथ अपने बड़े भाई राम के प्रति अपने असीम प्रेम और त्याग का परिचय दिया। यही कारण है कि आज भी राम और भरत के मिलन की मधुर बेला का साक्षी बनने हजारों की संख्या में यूपी, हरियाणा, राजस्थान से लोग एकत्र होते हैं। श्री रामलीला कमेटी की ओर से भरतमिलाप चौक पर भरतमिलाप का अयोजन किया गया। श्री राम और भरत का मिलन देख श्रद्धालुओं की आंखों से आंसू झलक पड़े। राजगद्दी के मंचन में भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक होते ही पूरा क्षेत्र सियावर रामचंद्र के जयकारों से गूंज उठा।

भरतमिलाप मेले में उमड़ा जनसैलाब

ऐतिहासिक भरतमिलाप मेले ने सफलता की ऊंचाई छू ली। इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि मेले में पूरी रात्रि विशाल जनसमूह उमड़ता रहा। नगर की शायद ही कोई गली बाकी रही जो कि दर्शनार्थियों से न पट गई हो। बाजार से लेकर खुले मैदान तक में केवल सिरों के अलावा कुछ नहीं दिखा। मेले में बेहतर कानून व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को एडी-चौटी का जोर लगाना पड़ा।

भादों एक साथ बह निकले। इस अलौकिक मिलन से पहले दो सवारियां निकलीं। पहली लाला ग्यालाल स्मृति भवन से भरत-शत्रुघ्न खड़ाऊं लिए, बैड-बाजों पर झूमते। दूसरी चित्रकूट प्रतीक से वो मोहक पुष्पक विमान, जिसे देखकर लगा जैसे सच में साकेत उतर आया हो। थाना रोड, रेलवे स्टेशन से होते हुए अग्रसेन मार्ग, पुराना जीटी रोड, शेरागढ़ तिराहा, घंटाघर, पंजाबी बाजार, सुभाष बाजार से होता हुआ जब विमान गुजरा तो लगा फूलों की बारिश नहीं, आकाश से देवता फूल बरसा रहे हैं। हर घर आरती, हर द्वार तोरण, हर छत पर दीया। संस्थाओं के भंडारे, छबील, एक ही नारा- 'रुजा रामचंद्र की जय। गुरुवार को कोसी में मेला नहीं लगा, कोसी खुद मेला बन गई। खुद अयोध्या बन गई। पुष्पक विमान के साथ

मेला आचार्य पं. मोरमुकुट शास्त्री, लीला निर्देशक सत्यनारायण पुरोहित, संस्थान के अध्यक्ष गिरिज सिंह, खगेंद्र सिंह बाँबी ठाकुर, राहुल जैन कामियां, हैप्पी गर्ग, अनुराग तायल, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, चैयर्समैन धर्मवीर अग्रवाल, संजीव जाबिया, देशबंधु अग्रवाल, कमल किशोर वार्णोय, अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश गोयल, पं. जगदीश सुपानिया, आशीष ठाकुर, सौरभ जैन, दीपक बडगुजर, पूर्व चैयर्समैन नरेंद्र गुर्जर, भगवत रहेला, कुलवीर सिंह, हरेन्द्रपाल सिंह, मनीष गुप्ता गुड वाले, राजेश गोयल, सोनू हलवाई, सोनू मंगला, मनीष जैन, दयाशंकर अग्रवाल, पिटू नेता, अमित सराफ मौना, आदित्य जैन, नवांशु अग्रवाल सहित दर्जनों लोग साथ चल रहे थे।

राजतिलक: आंसू, आतिशबाजी से धन्य हुआ भरतमिलाप चौक

यूनिक समय, कोसीकलां। इतिहास गवाह है कि त्रेता युग में जब 14 वर्ष का वनवास काटकर भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो पूरी नगरी में दीवों से ज्यादा खुशियों से आंखें जगमगा उठी थीं। ठीक वैसा ही अलौकिक दृश्य गुरुवार की रात कोसीकलां के भरतमिलाप चौक पर साकार हो उठा, जब पखवाड़े भर से चल रही रामलीला के सबसे पवित्र और अंतिम अध्याय भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

श्री रामलीला संस्थान द्वारा आयोजित इस मेले को केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक साधना के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसकी पूर्णता इस राजतिलक के रूप में हुई। मंच पर संत माधवदास महाराज (मोनी बाबा) विराजमान थे, जिनके मौन में भी निरंतर राम नाम की गूंज महसूस हो रही थी। उनके पावन सानिध्य और मेला आचार्य पं. मोरमुकुट शास्त्री के मंत्रोच्चार से संपूर्ण वातावरण पूर्णतः पवित्र हो चुका था। हजारों की संख्या



रामचंद्र जी का राज्याभिषेक करते मुख्य अतिथि संजीव जाबिया और देशबंधु अग्रवाल

में मौजूद श्रद्धालु अपनी सांसें रोके इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रहे थे। इस अवसर पर नगर के दो ऐसे प्रबुद्ध और प्रतिष्ठित समाजसेवी परिवार मुख्य अतिथि के रूप में आगे आए, जिन्होंने जीवन में धन कमाने के साथ-साथ हमेशा रामकाज और समाज सेवा को सर्वोपरि रखा है। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल जाबिया और सादगी- धर्म की प्रतिमूर्ति देशबंधु अग्रवाल, उनके समस्त परिवार ने जब

कांपते हाथों और भर आई आंखों से भगवान श्रीराम के मस्तक पर राममुकुट सुशोभित किया, तो ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं महर्षि वशिष्ठ उनके हाथों से यह अनुष्ठान पूरा करा रहे हों।

यह दृश्य देखकर पूरा पंडाल भावुक हो उठा। लोगों की आंखों से बह रहे वे आंसू केवल इस मेले के समापन के नहीं, बल्कि त्रेतायुग के उस पवित्र प्रसंग के थे जो कलयुग में कोसीकलां की धरती पर जीवंत हो उठा था।

'सियावर रामचंद्र की जय' के जयकारों से पूरा आसमान गूंज उठा। वर्तमान दौर की परंपराओं से हटकर मुख्य अतिथि संजीव जाबिया और देशबंधु अग्रवाल ने माला पहनने के बजाय रामभक्तों की तरह स्वयं सेवा भाव को प्राथमिकता दी। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि अग्रवाल समाज केवल व्यापार में ही नहीं, बल्कि संस्कारों और सेवा में भी अग्रणी है। श्री रामलीला संस्थान ने इस बार कोसीकलां में केवल रामलीला का मंचन नहीं किया, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को शहरवासियों के दिलों में उतारकर उन्हें जीकर दिखाया है। ऐसा भव्य और ऐतिहासिक राज्याभिषेक कोसीकलां ने पहले कभी नहीं देखा था। इस पावन अवसर पर मंच पर बाबूलाल अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, हरिशंकर अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, जतिन अग्रवाल सहित संस्थान के सभी गणमान्य सदस्य, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भरत मिलाप मेले में पुलिस का अभेद्य सुरक्षा चक्र

यूनिक समय, कोसीकलां। लाखों की भीड़... आस्था का महासैलाब और बीच में चट्टान की तरह खड़ी कोसी पुलिस। श्री रामलीला संस्थान के ऐतिहासिक श्रीराम भरतमिलाप मेले में गुरुवार को पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की ऐसी मिसाल पेश की कि हर जुबों पर पुलिस की मुस्तैदी की चर्चा रही।

मेले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस दोपहर से ही अलर्ट मोड पर आ गई थी। ग्रामीण क्षेत्रों से ट्रैक्टर-ट्रालियों और वाहनों से उमड़ रहे जनसैलाब को देखते हुए यातायात पुलिस ने शाम चार बजे से ही स्मार्ट रूट डायवर्जन प्लान लागू कर दिया। भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाल कर मेले के रास्तों को पूरी तरह श्रद्धालुओं के लिए खाली रखा गया, जिससे कहीं भी जाम की स्थिति नहीं बनी। भरत मिलाप चौक को पुलिस ने अभेद्य किले में तब्दील कर दिया था। चप्पे-चप्पे पर वर्दीधारी जवान तैनात थे। भीड़ में किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सादी

एसपी ग्रामीण, एसडीएम-सीओ ने संभाला मोर्चा, सादा वर्दी में महिला पुलिस की मुस्तैदी से मनचलों के मंसूबे फेल

वर्दी में महिला पुलिस बल की स्पेशल टीम को भीड़ के बीच तैनात किया गया था, जिसने छेड़छाड़ करने वाले मनचलों और जेबकतरों पर पैनी नजर रखी। पुलिस की इस सक्रियता से महिलाएं और बच्चे पूरे मेले में खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस कर रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था की कमान खुद आला अधिकारियों ने संभाल रखी थी। एसपी ग्रामीण आलोक राज नारायण, एसडीएम अखिलेश कुमार, सीओ भूषण वर्मा, थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह और चौकी इंचार्ज दुधंत कौशल अपनी पूरी टीम के साथ देर रात तक सड़कों पर गश्त करके सुरक्षा समीक्षा करते रहे। अधिकारियों की मौजूदगी से पुलिसकर्मियों का मनोबल भी बढ़ा रहा और श्रद्धालुओं में भी सुरक्षा का भरोसा बना रहा।

सुविचार



रास्ते कठिन सही
हौसले बुलंद रखो
मंजिल एक दिन
जरूर मिलेगी।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	02:36-01:37 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उ.भाद्रपद	09:02-08:32 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:24 AM	चन्द्रोदय	04:25 PM
सूर्यास्त		5:42 PM	चन्द्रास्त	01:25 AM
सूर्य राशि	तुला राशि		चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM-12:41 PM		ब्रह्म मुहूर्त	04:36-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:14 AM- 10:38 AM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री
राधा कृष्ण की सभी लीलाओं
के दर्शन यूनिक समय चैनल
के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

हेमा मालिनी की 'गंगा' से ब्रजरज उत्सव का भव्य आगाज



स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में शुक्रवार को नृत्य-नाटिका 'गंगा' की प्रस्तुति देवी सांसद हेमा मालिनी और सहायक कलाकार।

यूनिक समय, वृंदावन। नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में शुक्रवार को सांसद हेमा मालिनी की नृत्य-नाटिका 'गंगा' के साथ ब्रजरज उत्सव की सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ हुआ। तीन दर्जन से अधिक कलाकारों ने नृत्य, संगीत और अभिनय से मां गंगा

के अवतरण से लेकर वर्तमान प्रदूषण तक की यात्रा जीवंत की।

गणेश वंदना के बाद राजा भगीरथ की तपस्या और भगवान शिव की जटाओं में गंगा के समाने के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर किया। चार युगों की यात्रा के माध्यम से गंगा की महिमा और वर्तमान

दुर्दशा दर्शाते हुए यमुना सहित नदियों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।

गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, संत विजय कौशल महाराज, सांसद तेजवीर सिंह, परिषद उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र और सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने दीप प्रज्वलित किया। संत

स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में हुई नृत्य-नाटिका में चार युगों की यात्रा, गंगा की दुर्दशा का मार्मिक चित्रण

बलराम दास महाराज, संत गोविंदानंद तीर्थ, डॉ. आदित्यानंद महाराज, श्रीवत्स गोस्वामी, महंत सुंदर दास महाराज, विधायक पूरन प्रकाश, डीआरएम गगन गोयल और देवेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

लक्ष्मी नारायण ने ब्रजरज उत्सव को उत्तर भारत का प्रमुख आयोजन बताया। तेजवीर सिंह ने इसे ब्रज संस्कृति के संरक्षण का माध्यम कहा। शैलजाकांत मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हेमा मालिनी के योगदान का उल्लेख करते हुए आभार जताया। अध्यक्षता विजय कौशल महाराज ने की। शनिवार, 24 अक्टूबर से धौलीपाऊरेलेवे ग्राउंड पर उत्सव की अन्य गतिविधियां शुरू होंगी, जहां वंदनाश्री और ईशान मिश्रा प्रस्तुति देंगे।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL

मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध

हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S., M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S., D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S., M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S., D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S., M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश ज़िंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मोर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPHTHALMOLOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

परिवार से भी छिपा कर रखें ये पांच बातें

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य की नीतियां आज भी जीवन, व्यवहार और रिश्तों को समझने की सीख देती हैं। उनसे जुड़ी प्रचलित शिक्षाओं के अनुसार, परिवार अपना होने के बावजूद हर निजी बात साझा करना जरूरी नहीं है।

कुछ मामलों में विवेक और गोपनीयता बनाए रखना बेहतर हो सकता है। हालांकि, इसका अर्थ जरूरी मदद या सलाह को छिपाना नहीं है।

आर्थिक कठिनाइयां: कारोबार में नुकसान, कर्ज या वेतन में कटौती जैसी परेशानियों पर सोच-समझकर चर्चा करें। समाधान के लिए परिवार की मदद जरूरी हो, तो बात छिपाने के बजाय खुलकर बताएं।

पति-पत्नी के मतभेद: निजी विवादों को रिश्तेदारों के बीच चर्चा का विषय बनाने से बचें। आपसी बातचीत और समझदारी से समस्या सुलझाने का प्रयास करें।

अपमान की घटनाएं: कार्यस्थल या बाहर हुए अपमान को बार-बार दोहराने के बजाय उससे सीख लें। जरूरत पड़ने

हर बात साझा करना जरूरी नहीं, समझदारी से चुनें अपनी निजी सीमाएं

आर्थिक परेशानी से भविष्य की योजनाओं तक सोच-समझकर करें चर्चा

पर भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह जरूर लें।

व्यक्तिगत कमजोरियां: अपनी असुरक्षाएं हर किसी के सामने बताना जरूरी नहीं। भरोसेमंद व्यक्ति से साझा करना, हालांकि, भावनात्मक सहारा पाने में मदद कर सकता है।

अधूरी योजनाएं: कारोबार, करियर या बड़ी खरीदारी से जुड़ी योजनाओं पर सही समय और उचित लोगों से चर्चा करें। उपयोगी सलाह लेने से बचना समझदारी नहीं है।

चाणक्य नीति से जुड़ी इन शिक्षाओं का सार यही है कि निजी जीवन में विवेक, विश्वास और सही संवाद का संतुलन बनाए रखना चाहिए।

खाटू धाम में उमड़ा श्याम भक्तों का सैलाब

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित प्रसिद्ध खाटूश्यामजी मंदिर में पापांकुशा एकादशी के अवसर पर दो दिवसीय मासिक मेला शुरू हो गया। गुरुवार सुबह से ही बाबा श्याम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे भक्तों के जयकारों से खाटू धाम का वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बाबा खाटू श्याम के दरबार में सच्चे मन से प्रार्थना करने पर भक्तों को मानसिक शांति और मनोकामना पूर्ति की आशा मिलती है। इसी आस्था के साथ



दो दिवसीय मेले में जयकारों और भजनों से गुंजा खाटू धाम

बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं।

पापांकुशा एकादशी पर बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार किया गया। सतरंगी

फूलों से सजे दरबार की मनमोहक छटा भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। बाबा के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालु बाबा के जयकारे लगाते हुए दर्शन के लिए आगे बढ़ते नजर आए। मेले को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। खाटू श्यामजी का मासिक मेला प्रत्येक महीने शुक्ल पक्ष की एकादशी और द्वादशी को आयोजित किया जाता है। दो दिवसीय मेले में



श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्री श्याम मंदिर कमेटी, प्रशासन और पुलिस की ओर से व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर परिसर और प्रमुख मार्गों पर भीड़ को व्यवस्थित रखने के इंतजाम किए गए हैं।

मेले के दौरान रात्रि में विभिन्न स्थानों पर भजन संध्याएं आयोजित होंगी। भजन गायक बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। भजनों की मधुर धुनों और जयकारों के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन होंगे। दो दिवसीय आयोजन के दौरान खाटू धाम में आस्था, उल्लास और भक्ति का माहौल बना रहने की उम्मीद है।

बड़े पर्दे पर देवराह बाबा के मचान के रहस्यों का खुलेगा पिटारा

यूनिक समय, मथुरा। नीम करोली बाबा पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता के बाद अब रहस्यमयी संत देवराह बाबा की जिंदगी बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी। उनकी जीवनगाथा पर 'मचान बाबा' नाम से फिल्म बनाने की तैयारी है। फिल्म का पोस्टर जारी किए जाने के बाद इसे वर्ष 2027 में रिलीज करने की योजना बताई गई है। फिल्म में संत के जीवन, साधना, आस्था और उनसे जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों को दिखाने की तैयारी है।

निर्माताओं के मुताबिक, फिल्म केवल चमत्कारों के किस्सों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देवराह बाबा के जीवन से जुड़े सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक पहलुओं को भी सामने लाएगी। ओजस फिल्मस के बैनर तले बन रही इस फिल्म को ब्रिटेन में



रहने वाली भारतीय मूल की कारोबारी पूनम गुप्ता ओबीई और अमेरिका में रहने वाले व्यवसायी विकल्प पालीवाल प्रोड्यूस कर रहे हैं।

देवराह बाबा की पहचान नदी किनारे बने उन्हे मचान पर निवास करने वाले संत के रूप में रही। बताया जाता है कि उनका मचान लकड़ी

उम्र और राजनीतिक मुलाकातों से जुड़े किस्से

मचान पर क्यों रहते थे देवराह बाबा

और बांस से बनाया जाता था और वह जमीन से करीब 10 से 12 फीट ऊंचा होता था। बाबा इसी स्थान पर बैठकर भक्तों को दर्शन और आशीर्वाद देते थे।

उनके मचान पर रहने को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। कुछ कथाओं के अनुसार, बाबा का मानना था कि योगियों को शिला, अग्नि और जल से एक निश्चित दूरी बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, इन मान्यताओं और

उनसे जुड़े चमत्कारों की स्वतंत्र ऐतिहासिक पुष्टि सीमित है। देवराह बाबा की उम्र को लेकर भी अलग-अलग दावे किए जाते रहे हैं। कुछ कथाओं में उनकी आयु 500 वर्ष से अधिक बताई जाती है, जबकि अन्य में 150 वर्ष से ज्यादा जीवित रहने का उल्लेख मिलता है। हालांकि, उनकी वास्तविक उम्र प्रमाणित करने वाले विश्व सनीय ऐतिहासिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। बाबा से कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के मिलने के प्रसंग भी चर्चित रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी से उनकी मुलाकातों का उल्लेख मिलता है। अब 'मचान बाबा' के जरिए दर्शकों को उनके जीवन से जुड़े चर्चित प्रसंगों और रहस्यमयी छवि को नए अंदाज में देखने का अवसर मिल सकता है।



सम्पादकीय



नजरिया



कपड़ों के लेबल का खेल फैशन में छिपा फरेब

त्योहारों का मौसम आते ही बाजार में कपड़ों की बहार आ जाती है। दुकानों की रोशनी, ऑनलाइन सेल के आकर्षक विज्ञापन और ब्रांडेड फैशन के चमकदार दावे ग्राहकों को खरीदारी के लिए लुभाने लगते हैं। कोई स्वेटर को शुद्ध मेरिनो वूल बताता है, कोई कपड़े को सिल्क जैसा मुलायम और कोई फैब्रिक को पर्यावरण के अनुकूल घोषित करता है। ग्राहक भी खुश होकर खरीदारी कर लेता है। लेकिन असली कहानी तब शुरू होती है, जब कपड़े का लेबल पढ़ने की फुर्सत मिलती है और पता चलता है कि जेब ने ऊन के



पवन गौतम
संपादक

पैसे दिए, मगर स्वेटर में एक्रिलिक की बहार है। यूरोपीय आयोग की 18 जून 2026 की घोषणा के मुताबिक, जांचे गए 132 कपड़ों में से 49 पर फाइबर की संरचना संबंधी लेबल गलत पाए गए। यानी जांचे गए कपड़ों में करीब 37 प्रतिशत पर लिखी जानकारी वास्तविक संरचना से मेल नहीं खाती थी। ऑनलाइन खरीदे गए कपड़ों में गड़बड़ी की दर 46 प्रतिशत रही, जबकि दुकानों से खरीदे गए कपड़ों में यह 36 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा बताता है कि डिजिटल खरीदारी में तस्वीर देखकर भरोसा करना कितना महंगा पड़ सकता है।

फैशन उद्योग की शब्दावली भी कम दिलचस्प नहीं है। 'सिल्की टच' सुनते ही रेशम का अहसास होने लगता है, जबकि कपड़ा पॉलिएस्टर निकल सकता है। 'वीगन लेदर' सुनकर पर्यावरण प्रेम जागता है, लेकिन उत्पाद पॉलीयूरेथन या पीवीसी से बना हो सकता है। 'कॉटन-रिच' का मतलब भी शुद्ध सूती कपड़ा नहीं है। यहां

शब्दों की सिलाई इतनी सफाई से होती है कि ग्राहक का भरोसा और कंपनी का मुनाफा दोनों फिट बैठ जाते हैं। विडंबना यह है कि ग्राहक कपड़े की कीमत, ब्रांड और डिजाइन पर घंटों विचार करता है, लेकिन लेबल पर लिखी सामग्री को अक्सर नजरअंदाज कर देता है। कंपनियां भी आकर्षक नामों से उत्पाद बेचने में माहिर हैं। नतीजा यह कि फैशन के नाम पर खरीदार कई बार कपड़ा नहीं, मार्केटिंग की कहानी खरीदता है। समाधान केवल कंपनियों को कोसने में नहीं है। ग्राहकों को फाइबर की वास्तविक मात्रा, देखभाल संबंधी निर्देश और निर्माण से जुड़ी जानकारी पढ़नी चाहिए। नियामक संस्थाओं को लेबल की जांच मजबूत करनी होगी और गलत दावों पर प्रभावी कार्रवाई करनी होगी। फंडा साफ है: त्योहारों पर कपड़े खरीदिए, लेकिन ब्रांड के दावों के आगे अपना विवेक मत गिरवी रखिए। क्योंकि खूबसूरत दिखने वाला हर लेबल सच नहीं बोलता और महंगे कपड़े की असलियत उसके दाम से नहीं, उसके धागों से तय होती है।



संपादकीय सुनने के लिए
मोबाइल से QR कोड
को स्कैन करें।

विचार विंडो

योगेन्द्र योगी

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना महत्वाकांक्षी भी है और जरूरी भी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक तकनीक, बेहतर सड़कें, विश्वस्तरीय उद्योग और डिजिटल सुविधाएं किसी विकसित देश की पहचान हैं। लेकिन एक बुनियादी सवाल इन तमाम उपलब्धियों के बीच खड़ा है—क्या जिस देश में करोड़ों लोगों को पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है, वह पानी की समस्या का समाधान किए बिना विकसित राष्ट्र बन सकता है? विकास की चमकती तस्वीर के पीछे प्यासे गांवों, सूखते जलाशयों और दूषित पानी से जूझती बस्तियों की हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

विकसित भारत का लक्ष्य तय करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन इस लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों से होकर गुजरना चाहिए। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य की तरह स्वच्छ पेयजल भी जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। यदि किसी परिवार को रोज पीने का पानी जुटाने के लिए घंटों मेहनत करनी पड़े, तो उसके लिए विकास के बड़े-बड़े दावों का अर्थ सीमित रह जाता है। विकास का मूल्यांकन केवल सकल घरेलू उत्पाद, विदेशी निवेश और चमकते शहरों से नहीं, बल्कि इस बात से भी होना चाहिए कि नागरिकों को जीवन की जरूरी सुविधाएं

कितनी आसानी से मिल रही हैं।

पेयजल संकट की गंभीरता मानसून के बदलते मिजाज से और बढ़ रही है। वर्ष 2026 में सामान्य से कम बारिश ने जलाशयों की स्थिति पर दबाव बढ़ाया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एक अक्टूबर तक देश के प्रमुख जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का 71.84 प्रतिशत पानी था, जबकि पिछले वर्ष इसी समय यह स्तर 90.31 प्रतिशत था। यह अंतर बताता है कि पानी की उपलब्धता को लेकर पहले से अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। महाराष्ट्र के जालना जैसे क्षेत्रों में जलाशयों का स्तर बेहद नीचे पहुंचने और जल कटौती की नौबत आने से समस्या की गंभीरता समझी जा सकती है।

हालांकि, जल संकट को केवल कम बारिश का परिणाम मानना उचित नहीं होगा। बारिश की कमी तत्काल मुश्किलें बढ़ाती है, लेकिन पानी का असमान वितरण, भूजल का अत्यधिक दोहन, जलाशयों की घटती क्षमता और वर्षा जल का समुचित संचयन न होना समस्या को स्थायी बनाते हैं। मानसून के दौरान बहकर निकल जाने वाला पानी यदि तालाबों, झीलों और भूजल भंडारों तक पहुंचाया जाए, तो सूखे महीनों में राहत मिल सकती है। दुर्भाग्य से जल संरक्षण की चर्चा अक्सर संकट आने पर तेज होती है और बारिश शुरू होते ही प्राथमिकताओं से पीछे चली जाती है।

भारत में पानी की मांग पर कृषि का बड़ा प्रभाव

विदेशी तेल पर निर्भरता कब टूटेगी भारत कब आत्मनिर्भर बनेगा

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की अर्थव्यवस्था की एक बड़ी विडंबना है। देश चंद्रमा तक पहुंचने की क्षमता रखता है, दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और तकनीक से लेकर उद्योगों तक नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, लेकिन उसकी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आज भी विदेशी तेल पर निर्भर है। जब तक तेल उत्पादक देशों में शांति रहती है, यह निर्भरता सामान्य व्यापार जैसी दिखाई देती है। लेकिन जैसे ही पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल घिरते हैं, भारत की अर्थव्यवस्था की धड़कनें तेज होने लगती हैं। सवाल यह है कि आखिर अपनी जरूरतों के लिए भारत कब तक दूसरों की राजनीतिक परिस्थितियों और युद्ध संबंधी फैसलों का इंतजार करता रहेगा?

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं है कि देश को विदेशों से तेल खरीदना पड़ता है। इसका वास्तविक अर्थ यह है कि हमारी परिवहन व्यवस्था, उद्योगों की उत्पादन लागत, कृषि की जरूरतें और आम आदमी का घरेलू बजट अंतरराष्ट्रीय बाजार की अनिश्चितताओं से बंधे हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़े, पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज हो या समुद्री व्यापार मार्ग बाधित हों, इन घटनाओं का असर हजारों किलोमीटर दूर भारत में भी महसूस किया जा सकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का प्रभाव पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता। ट्रकों से पहुंचने वाली सब्जियां महंगी होती हैं, खेती की लागत बढ़ती है, कारखानों का उत्पादन खर्च बढ़ता है और अंततः आम आदमी की जेब पर बोझ पड़ता है। यानी विदेशों में होने वाले संघर्ष की कीमत भारत का वह उपभोक्ता भी चुकाता है, जिसका उस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं है। यह कैसी व्यवस्था है, जिसमें युद्ध कहीं और होता है, लेकिन महंगाई का सामना यहां के परिवार करते हैं?

तेल की बढ़ती कीमतें सरकार के लिए भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। महंगा आयात देश के व्यापार संतुलन और चालू खाते के घाटे पर दबाव डाल सकता है। यदि डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है, तो विदेशों से खरीदा जाने वाला तेल और महंगा पड़ सकता है। सरकार के सामने मुश्किल यह होती है कि वह उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए करों में कटौती करे या तेल कंपनियों को कीमतों का बोझ उठाने दे। दोनों ही विकल्पों की आर्थिक सीमाएं हैं। करों से मिलने वाला राजस्व घटे तो विकास योजनाओं के लिए संसाधन कम हो सकते हैं और कंपनियों पर दबाव बढ़े तो उनकी वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है।

इसलिए ऊर्जा सुरक्षा को केवल पेट्रोलियम मंत्रालय की जिम्मेदारी मानना बड़ी भूल होगी। यह देश की आर्थिक स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की प्राथमिकताओं से जुड़ा प्रश्न है।

भारत को तत्काल राहत देने वाले उपायों के साथ दीर्घकालीन रणनीति भी बनानी होगी। रूस जैसे देशों से तेल खरीदने के विकल्प उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन एक विदेशी आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता घटाकर दूसरे पर निर्भर हो जाना वास्तविक आत्मनिर्भरता नहीं है। आपूर्तिकर्ताओं में विविधता जरूरी है, मगर उससे भी अधिक जरूरी है आयात की कुल जरूरत को धीरे-धीरे कम करना।

इसके लिए सबसे पहले एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को व्यावहारिक और टिकाऊ तरीके से आगे बढ़ाना होगा। पेट्रोल में एथेनॉल की हिस्सेदारी बढ़ने से कुछ मात्रा में आयातित तेल की जरूरत घट सकती है। हालांकि इसके लिए गन्ने और अन्य फसलों की पानी



संबंधी जरूरतों, खाद्य सुरक्षा तथा किसानों की आय के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक है। ऊर्जा बचाने के नाम पर कृषि संसाधनों पर नया दबाव पैदा करना समाधान नहीं होगा। दूसरा रास्ता सौर, पवन और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का विस्तार है। भारत में सौर ऊर्जा की व्यापक संभावनाएं हैं। यदि उद्योग, परिवहन और घरेलू बिजली की जरूरतों का अधिक हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा से पूरा किया जाए, तो जीवाश्म ईंधन पर दबाव कम किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सार्वजनिक परिवहन और ऊर्जा-कुशल तकनीकों को बढ़ावा देना भी इसी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। केवल नई परियोजनाओं की घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी; बिजली भंडारण, वितरण व्यवस्था और भरोसेमंद आपूर्ति में भी निवेश करना होगा।

तीसरा महत्वपूर्ण कदम रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारों का विस्तार है। संकट के समय ये भंडार तत्काल राहत दे सकते हैं और अचानक आपूर्ति बाधित होने पर अर्थव्यवस्था को संभलाने का समय प्रदान कर सकते हैं। लेकिन भंडार स्थायी समाधान नहीं हैं। उनका उपयोग संकट के दौरान सुरक्षा कवच की तरह होना चाहिए, न कि आयात पर निर्भरता बनाए रखने का बहाना।

इसके साथ घरेलू तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की संभावनाओं पर भी गंभीरता से काम करना होगा। नए क्षेत्रों की खोज, बेहतर तकनीक और निवेश के अनुकूल नीतियां उपयोगी हो सकती हैं। फिर भी भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए केवल घरेलू जीवाश्म ईंधन उत्पादन से पूरी आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं होगा। इसलिए ऊर्जा के विविध स्रोतों का विकास ही सबसे व्यावहारिक रास्ता है।

असली चुनौती केवल तेल खरीदने की नहीं, बल्कि तेल पर निर्भरता घटाने की है। भारत को ऐसी अर्थव्यवस्था बनानी होगी, जो विदेशी युद्धों, प्रतिबंधों और बाजार की उथल-पुथल के सामने कम असह्य हो। ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ सिर्फ इतना नहीं कि संकट के समय तेल उपलब्ध रहे, इसका अर्थ यह भी है कि उसकी कीमत देश की विकास योजनाओं और आम आदमी की खुशहाली को बाधक न बना सके। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी मजबूत होगा, जब उसकी ऊर्जा जरूरतें भी अधिक सुरक्षित और विविध होंगी। वरना दुनिया के किसी कोने में युद्ध की आग भड़केगी और उसकी तपिश भारतीय रसोई, खेत, कारखाने और परिवारों के बजट तक पहुंचती रहेगी।

प्यासे भारत में विकसित राष्ट्र का सपना कैसे साकार होगा



है। सिंचाई में भूजल का व्यापक इस्तेमाल होता है। कई क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगाई जाती हैं, जिनके लिए अधिक पानी चाहिए, जबकि स्थानीय जल उपलब्धता सीमित होती है। मुफ्त या सस्ती बिजली और सिंचाई की प्रचलित व्यवस्थाएं भी कई जगह भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा देती हैं। इसलिए कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई, ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों, स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल फसल चयन और जल उपयोग की बेहतर योजना को प्रोत्साहित करना होगा। किसानों पर केवल पानी बचाने की जिम्मेदारी डालने के बजाय उन्हें तकनीक, वित्त और बाजार का सहयोग भी देना चाहिए।

शहरों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। तेजी से बढ़ती आबादी और कंक्रीट के विस्तार ने प्राकृतिक जल निकासी तथा भूजल पुनर्भरण की व्यवस्था को प्रभावित किया है। दूसरी ओर, पाइपलाइन से होने वाली पानी की बर्बादी, जलाशयों में गंदगी और घरेलू तथा औद्योगिक

अपशिष्ट का अनुचित निपटान उपलब्ध जल को भी उपयोग के अयोग्य बना सकता है। जिन शहरों में बारिश के दौरान जलभराव होता है, वहां कुछ महीनों बाद टैंकरों से पानी पहुंचाने की नौबत आ जाती है। यह विरोधाभास बताता है कि समस्या सिर्फ पानी की मात्रा की नहीं, बल्कि उसके प्रबंधन की भी है।

स्वच्छ पेयजल की कमी का सबसे गंभीर असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। दूषित पानी से होने वाली बीमारियां गरीब परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बनती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों पर इसका असर अधिक पड़ सकता है। इसलिए पेयजल नीति में केवल नल कनेक्शन उपलब्ध कराने को सफलता का अंतिम पैमाना नहीं बनाया जा सकता। पानी नियमित रूप से मिले, पर्याप्त मात्रा में मिले और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरे, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इसके लिए जल स्रोतों की नियमित जांच, स्थानीय प्रयोगशालाओं की क्षमता में वृद्धि और दूषित पानी की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर एक दीर्घकालीन राष्ट्रीय जल सुरक्षा नीति पर काम करना चाहिए। इसमें हर क्षेत्र की जल उपलब्धता का आकलन, वर्षा जल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन,

भूजल दोहन पर नियंत्रण तथा जल वितरण व्यवस्था की जवाबदेही शामिल होनी चाहिए। शहरों में उपचारित अपशिष्ट जल का उद्योगों और अन्य उपयुक्त कार्यों में दोबारा इस्तेमाल बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, जल परियोजनाओं पर खर्च होने वाली राशि और उनके वास्तविक परिणामों का सार्वजनिक मूल्यांकन भी आवश्यक है।

नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर राज्यों के बीच होने वाले विवाद भी बताते हैं कि जल प्रबंधन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक चुनौती भी है। पानी को क्षेत्रीय वर्चस्व का हथियार बनाने के बजाय साझा संसाधन मानकर समाधान तलाशना होगा। जल संरक्षण में नागरिकों, स्थानीय निकायों, उद्योगों और किसानों की भागीदारी के बिना सरकारी योजनाएं भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगी।

असली विकास वह है, जिसमें किसी नागरिक को पीने के पानी के लिए संघर्ष न करना पड़े। वर्ष 2047 का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसके रास्ते में स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत बाधा बनकर खड़ी न हो। देश को ऊंची इमारतों और बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ सुरक्षित जल संसाधनों वाला राष्ट्र भी बनना होगा। अन्यथा विकसित भारत की तस्वीर आकर्षक जरूर होगी, लेकिन उसकी नींव प्यासे नागरिकों की समस्या से कमजोर बनी रहेगी।

पैरा एशियन गेम्स में भारत का धमाका, छह गोल्ड जीते

मोना अग्रवाल ने दूसरी बार जीता स्वर्ण

हनी और संदीप ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। पैरा एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता के पांचवें दिन शुक्रवार को भारत ने छह गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत के कुल स्वर्ण पदकों की संख्या 27 हो गई है। भारत को अब तक 103 मेडल मिल चुके हैं, जिनमें 27 गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं। भारतीय दल ने एक ही दिन में छह स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक जीते। इस प्रदर्शन के दम पर भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। शुक्रवार को



भारत को पहला गोल्ड रिकर्व आर्चरी में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की जोड़ी ने दिलाया। दोनों ने फाइनल में चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, महिला पैरा रिकर्व डबल्स में भावना चौधरी और पूजा जाटयान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष सिंगल्स

एसएल3 के फाइनल में नीतेश कुमार ने हमवतन प्रमोद भगत को 21-18, 21-16 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसके अलावा नवीन शिवकुमार ने पुरुष सिंगल्स एसएल4 के फाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेटियावान को 21-9, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला रव5 कैटेगरी में थुलासिमिथि मुरुगेसन को रजत पदक

मिला। एथलेटिक्स में हनी ने भाला फेंक की T37/38 स्पर्धा में 60.49 मीटर का श्रो करके गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं, संदीप ने 400 मीटर 64 स्पर्धा में 52.28 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अजय कुमार ने 53.61 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। संदीप की जीत के साथ भारत ने प्रतियोगिता में अपना 100वां मेडल भी हासिल किया। शूटिंग में मोना अग्रवाल ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन 1 स्पर्धा में 357.5 अंक हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने स्वीडन की अन्ना बेन्सन का 356 अंक का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में यह मोना का दूसरा स्वर्ण पदक है। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार शानदार प्रदर्शन से पदक तालिका में देश की स्थिति मजबूत हुई है।

अरबाज से तलाक के बाद अर्जुन कपूर से जुड़ा नाम

अरबाज खान से तलाक और अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद नए नामों से जुड़ी मलाइका

बेटे अरहान से पूछ था वर्जिनिटी पर सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मलाइका अरोड़ा 23 अक्टूबर को अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। मॉडलिंग, फिटनेस और डांस के लिए मशहूर मलाइका अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी लगातार सुर्खियों में रही हैं। फिल्म 'दिल से' के गाने 'छैया-छैया' से उन्हें देशभर में पहचान मिली थी। इसके बाद 'मुन्नी बदनाम हुई' जैसे गानों ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। मलाइका ने 12 दिसंबर 1998 को अरबाज खान से शादी की थी। करीब 19 साल साथ रहने के बाद दोनों का तलाक 11 मई 2017 को हो गया। इसके बाद मलाइका और अभिनेता अर्जुन कपूर के रिश्ते की चर्चा शुरू हुई। दोनों ने 2019 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया, लेकिन 2024 में उनका ब्रेकअप हो गया। अक्टूबर 2024 में अर्जुन ने सार्वजनिक रूप से



खुद को सिंगल बताया था। अर्जुन से अलग होने के बाद मलाइका का नाम डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता और अभिनेता-मॉडल सोराब वेदी से जुड़ा। हालांकि, इन चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। सोराब ने मलाइका के साथ 'डेंटिफ की खबरों को खारिज करते हुए दोनों को दोस्त बताया था। डीनो मोरिया के साथ भी उनके रिश्ते की चर्चाएं हुईं। जनवरी 2026 में मलाइका ने कहा था कि लोगों का ध्यान उनकी निजी जिंदगी पर ज्यादा रहता है। अप्रैल 2024 में बेटे अरहान खान के पॉडकास्ट 'डंब बिरयानी' में उन्होंने उससे पूछा था कि उसने वर्जिनिटी कब खोई थी। इसके जवाब में अरहान हैरान रह गए और उन्होंने मां से पूछा कि वह शादी कब करेगी।

बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेंगे सनी-ईशा एक ही दिन रिलीज होंगी फिल्में



20 नवंबर को आएंगी 'सूर्या' और 'प्रताप'

सनी देओल की बहन ईशा देओल लंबे समय बाद करेंगी बड़े पर्दे पर वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में नवंबर में बॉक्स ऑफिस पर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' और उनकी बहन ईशा देओल की फिल्म 'प्रताप' 20 नवंबर को एक ही दिन सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। ऐसे में दर्शकों की नजरें दोनों फिल्मों की टक्कर पर टिकी हैं। सनी देओल की

'सूर्या' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसका टीजर हाल ही में जारी किया गया था। फिल्म में सनी गंभीर अंदाज में मेडिकल सिस्टम में फ्रैले भ्रष्टाचार और मरीजों के शोषण के खिलाफ लड़ते नजर आएंगे। एम. पद्मकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म न्याय की तलाश और एक बड़े षडयंत्र की कहानी दिखाती है। वहीं, सचिन सराफ के निर्देशन में बनी 'प्रताप' में अमित साध मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह मुंबई के एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में ईशा देओल के अलावा सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में हैं। लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर लौट रही ईशा के लिए यह फिल्म खास है।

600 करोड़ पार 'जेलर-2' आठवें दिन घटी कमाई



रजनीकांत की फिल्म ने पहले हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया

अब आयुष्मान खुराना की 'उड़ता तीर' से बॉक्स ऑफिस पर बढ़ सकती है टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर-2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह में जबरदस्त कमाई करते हुए दुनियाभर में 600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, आठवें दिन फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। ऐसे में

अब सबकी निगाहें इसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर टिकी हैं। 'जेलर 2' को दर्शकों का अच्छा रिसपॉन्स मिला है और रजनीकांत के दमदार आकर्षित किया है। फिल्म की शुरुआती कमाई ने इसे बड़ी सफल फिल्मों की सूची में शामिल कर दिया है। लेकिन एक हफ्ते बाद कलेक्शन में गिरावट मेकर्स के लिए चिंता का विषय बन सकती है। वहीं, आयुष्मान खुराना की फिल्म 'उड़ता तीर' की रिलीज से बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला बढ़ने की संभावना है। अब देखना होगा कि नई फिल्म की चुनौती के बीच 'जेलर-2' अपनी कमाई की रफ्तार बनाए रख पाती है या नहीं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में बदल सकता है टीम इंडिया का बैटिंग ऑर्डर

संजु सैमसन को छोड़ना पड़ सकता है ओपनिंग का स्थान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने न्यूजीलैंड को पहले टी20 मुकाबले में 4 विकेट से हराकर सीरीज में शानदार शुरुआत की, लेकिन अब टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन चोट के कारण दूसरे टी20 मैच से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के मुताबिक, पहले मुकाबले के दौरान उनकी दाईं जांच में हल्का खिंचाव आया था। फिलहाल मेडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रख रही है। टीम इंडिया के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने बताया कि चोट के कारण ईशान को पहले मैच में देर से बल्लेबाजी के लिए



भेजा गया था। उनके बाहर होने से युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने का मौका बन सकता है। यदि वैभव को मौका मिलता है, तो वह अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में पहले मैच में 67 रन की शानदार पारी खेलने वाले संजु सैमसन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है। ईशान आमतौर पर इसी नंबर पर उतरते हैं। अब सबकी नजर 24 अक्टूबर को होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले पर है, जहां भारतीय टीम की अंतिम एकादश पर फैसला अहम होगा।

तीस साल की सब्बीनेनी मेघना ने लिया संन्यास

2016 में किया था इंटरनेशनल डेब्यू

भारत के लिए सिर्फ 20 मुकाबले खेलने का मिला मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने 30 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। हालांकि, अपने करीब एक दशक लंबे करियर में उन्हें भारत के लिए केवल 20 इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिला। मेघना 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय महिला टीम का

हिस्सा भी रही थीं। मेघना ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीन वनडे और 17 टी20 मुकाबले खेले। वनडे में उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 114 रन बनाए, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उनके नाम एक अर्धशतक सहित 258 रन दर्ज हैं। घरेलू क्रिकेट के अलावा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाई। साल 2024 में खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम में भी वह शामिल थीं। संन्यास की घोषणा करते हुए मेघना ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने भारतीय टीम की जर्सी पहनकर देश का प्रतिनिधित्व करने को अपने जीवन का सपना बताया। साथ ही परिवार, कोच, साथी खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ, बीसीसीआई, आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन और अपनी फ्रेंचाइजी टीमों का आभार जताया।

श्रीलंका ने 429 रन चेज कर रचा इतिहास, वर्ल्ड रिकॉर्ड बरकरार

इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत

भारत के 406 रन के रिकॉर्ड के बावजूद दक्षिण अफ्रीका अब भी टॉप पर



सबसे बड़े सफल रन चेज का वर्ल्ड रिकॉर्ड अब भी दक्षिण अफ्रीका के नाम है, जिसने करीब 20 साल पहले यह कारनामा किया था। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के शानदार दोहरे शतक की मदद से 429 रन बनाए। ब्रूक ने 116 गेंदों पर 202 रन की पारी खेली। इसके जवाब में श्रीलंका की

शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी देखने को मिली। पवन रत्नायके ने 130 रन बनाए, जबकि अविष्का फर्नांडो और दासुन शनाका ने 97-97 रन की पारियां खेली। आखिर में जिनथ लियंगि ने केवल 27 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इससे पहले भारत ने भी सितंबर में वेस्टइंडीज के

खिलाफ 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने दो विकेट पर 406 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। शुभमन गिल ने 223 रन और रोहित शर्मा ने 101 रन बनाए थे। यह वनडे में भारत का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। हालांकि, विश्व रिकॉर्ड अब भी 2006 में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए मुकाबले के नाम है। ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 434 रन बनाए थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 49.5 ओवर में नौ विकेट पर 438 रन बनाकर जीत हासिल की। हर्शल गिब्स ने 175 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। लगातार बड़े लक्ष्य हासिल होने से अब इस को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इससे पहले भारत ने भी सितंबर में वेस्टइंडीज के

यूपी के 15 जिलों में सपा के खिलाफ पोस्टर, सियासत तेज

‘चाय, समोसा, रस मलाई सारे माफिया अपने भाई’ जैसे नारों से अखिलेश यादव पर निशाना

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगाए गए राजनीतिक पोस्टरों को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। लखनऊ, बलिया, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, वाराणसी, बस्ती, हरदोई और सीतापुर समेत 15 जिलों में पोस्टर लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। इनमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, आजम खान और अफजल अंसारी की तस्वीरें दिखाई गई हैं।



पोस्टरों के जरिए सपा पर माफिया तत्वों को संरक्षण देने के आरोप लगाए गए हैं। पोस्टरों पर कई तंज भरे नारे लिखे गए हैं। इनमें ‘चाय, समोसा, रस मलाई, सारे माफिया अपने भाई’ और ‘दाल, चावल और अचार, पार्टी मतलब एक परिवार’ जैसे स्लोगन

शामिल हैं। कुछ पोस्टरों में परिवारवाद, इफ्तार पार्टी, मुजफ्फरनगर दंगों और कब्रिस्तान की बाउंड्री के लिए बजट आवंटन को लेकर भी सपा पर निशाना साधा गया है। वहीं, 2013 की यूपीपीसीएस भर्ती और सरकारी नौकरियों में कथित पक्षपात से जुड़े

दावे भी पोस्टरों में किए गए हैं। ये पोस्टर ऐसे समय सामने आए हैं, जब अखिलेश यादव ने हाल ही में रामपुर जिला जेल में सपा नेता आजम खान से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद भाजपा और उसके सहयोगियों ने सपा पर निशाना साधा था। हालांकि, पोस्टर किसने लगाए हैं, इसकी जानकारी खबर में स्पष्ट नहीं है। अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने का दावा किया है। उन्होंने जाति जनगणना और आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग का भी समर्थन किया है। पोस्टरों के सामने आने से प्रदेश में चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

मुंबई के नाले में मिला बिजनौर की रुखसाना का शव



पति और तीन बच्चों को छोड़ प्रेमी के साथ गई थी महिला

संदिग्ध हालात में मौत से मचा हड़कंप

यूनिक समय, बिजनौर । उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के रेहड़ क्षेत्र के गांव सादुल्लापुर की रहने वाली रुखसाना की कहानी दर्दनाक मोड़ पर पहुंच गई। पति और तीन बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ मुंबई गई महिला का शव वहां एक नाले में सड़ी-गली हालत में मिला। घटना की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में सनसनी

फैल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, रुखसाना और साकिब के बीच कई वर्षों से प्रेम संबंध थे, लेकिन दोनों की शादी अलग-अलग जगह हो गई थी। इस साल जुलाई में दोनों दोबारा मिले और साथ मुंबई चले गए। साकिब वहां ऑटो रिक्शा चलाता था। सितंबर के आखिर में रुखसाना अचानक लापता हो गई, जिसके बाद साकिब ने पुलिस से शिकायत की। बताया गया है कि साकिब ने अपनी पत्नी शहरीन और उसके मायके पक्ष के लोगों पर हत्या का शक जताया था। पुलिस जांच में शहरीन के पिता सरताज को गिरफ्तार किए जाने और उसके भाई समीर की तलाश की खबर भी सामने आई है। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

यूपी में एसएचजी से आत्मनिर्भर बन रही ग्रामीण महिलाएं



10.5 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों से जुड़े 1.25 करोड़ परिवार छोटे कारोबार से बढ़ रही महिलाओं की कमाई

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। राज्य में 10.5 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे करीब 1.25 करोड़ ग्रामीण परिवार जुड़े हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन इन समूहों को बचत, बैंक ऋण, प्रशिक्षण और बाजार

से जोड़ने में मदद करता है। इस व्यवस्था के तहत महिलाएं नियमित बचत से शुरुआत करती हैं और वित्तीय सहायता के जरिए छोटे कारोबार तथा आजीविका के साधन विकसित करती हैं। समूहों से जुड़ी महिलाएं खेती, पशुपालन, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय उत्पादों के कारोबार से कमाई कर रही हैं। इसके तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं बिजली बिल वसूली का काम करती हैं। 2025 के मध्य तक करीब 30 हजार महिलाएं इस कार्यक्रम में पंजीकृत थीं, जबकि 438 विद्युत सखियां लखपति दीदी बन चुकी थीं। सरकार ग्रामीण आवास योजनाओं की महिला लाभार्थियों को भी समूहों से जोड़ने पर जोर दे रही है, ताकि उन्हें घर के साथ आय का स्थायी जरिया भी मिल सके।

यूपी में बीजेपी काट सकती है मौजूदा विधायकों के टिकट

125 सीटों पर सर्वे पूरा होने की चर्चा

जीत की संभावना और जनता की नाराजगी के आधार पर नए चेहरों को मिल सकता है मौका

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी संभावित उम्मीदवारों की स्थिति और मौजूदा विधायकों के प्रदर्शन का आकलन कर रही है। आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े की टीम ने करीब 125 विधानसभा सीटों पर सर्वे



पूरा कर लिया है। चर्चा है कि सर्वे के नतीजों के आधार पर कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। हालांकि, पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे के दौरान बूथ कमेटियों, शक्ति केंद्रों और स्थानीय नेताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। इसमें विधायकों की लोकप्रियता, क्षेत्र में उनके कामकाज,

पार्टी कार्यकर्ताओं के रुख और चुनाव जीतने की संभावनाओं का आकलन किया जा रहा है। जिन सीटों पर मौजूदा विधायकों के खिलाफ नाराजगी या एंटी-इनकंबेंसी की स्थिति सामने आएगी, वहां नए उम्मीदवारों को मौका देने पर विचार हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। वहीं, पार्टी नेतृत्व

पूर्वांचल और अवध जैसे क्षेत्रों में संगठन मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे सकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपेक्षा के मुताबिक प्रदर्शन नहीं होने के बाद बीजेपी स्थानीय समीकरणों और उम्मीदवारों की स्वीकार्यता पर अधिक जोर दे रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पार्टी आने वाले दिनों में बूथ स्तर पर संवाद बढ़ाने और संगठन की कमियों को दूर करने की तैयारी कर रही है। 30 और 31 अक्टूबर को लखनऊ में प्रस्तावित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक भी चुनावी रणनीति के लिहाज से अहम मानी जा रही है। फिलहाल, टिकट काटने या नए चेहरों को उतारने पर अंतिम फैसला पार्टी का प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा।

18 साल बाद जेल से घरपहुंचा बावनखेड़ी हत्याकांड का दोषी सलीम



बहन की शादी में शामिल होने के लिए हाईकोर्ट से मिली पैरोल

27 अक्टूबर तक नैनी जेल लौटना होगा

यूनिक समय, अमरोहा । उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के चर्चित बावनखेड़ी हत्याकांड के दोषी सलीम को 18 साल बाद जेल से बाहर आने की अनुमति मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उसे अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए सात दिन की पैरोल दी है। सलीम 21 से 27 अक्टूबर तक पैरोल पर रहेगा और उसे 27 अक्टूबर की शाम तक नैनी जेल लौटना होगा। इस दौरान पुलिस की कड़ी निगरानी रहेगी। बावनखेड़ी गांव में 14-15 अप्रैल

2008 की रात मास्टर शौकत अली और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। मृतकों में शौकत अली, उनकी पत्नी, दो बेटे, बहू, पोता और भांजी शामिल थे।

जांच में सामने आया कि शौकत अली की बेटी शबनम और सलीम प्रेम संबंध में थे। परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ था। मामले में दोनों को दोषी ठहराया गया और मौत की सजा सुनाई गई। सलीम नैनी जेल में बंद है, जबकि शबनम बरेली जेल में सजा काट रही है। सलीम को पैरोल मिलने से मृतक परिवार के रिश्तेदारों में नाराजगी है। शबनम की चाची फातमा ने कहा कि इस फैसले से उनके पुराने जख्म फिर हरे हो गए हैं। शबनम के चाचा सत्तार ने भी दोनों को फांसी देने की मांग करते हुए कहा कि इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है।

यूपी में कांग्रेस ने मांगी 200 से ज्यादा सीटें

सपा को सौंपी दावेदारी वाली सीटों की सूची

15 नवंबर तक बंटवारा तय करने की तैयारी



यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने सपा को 200 से ज्यादा सीटों की सूची सौंपकर इन पर अपनी दावेदारी पेश की है। पार्टी की कोशिश है कि 15 नवंबर तक सीट शेयरिंग पर फैसला हो जाए, ताकि उम्मीदवारों को प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल सके। कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर सीटों को ए, बी, सी और डी चार श्रेणियों में बांटा है। पार्टी का कहना है कि संगठन सुजन अभियान के जरिए उसका संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत हुआ है,

इसलिए वह अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। सीट बंटवारे को लेकर प्रियंका गांधी ने हाल ही में यूपी कांग्रेस के नेताओं के साथ करीब तीन घंटे बैठक भी की थी। सूत्रों के अनुसार, अखिलेश यादव के साथ बातचीत में प्रियंका अहम भूमिका निभा सकती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस केवल दो सीटें जीत पाई थी। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में उसने 17 में से छह सीटें जीतीं। पार्टी 38 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही और 42 में दूसरे स्थान पर रही। कांग्रेस की सूची में प्रमुख नेताओं की सीटों के अलावा अमेठी, रायबरेली और सहारनपुर की वे सीटें भी शामिल हैं, जहां फिलहाल सपा के विधायक हैं।

जैविक मिर्च के अचार से माधवी बनी सफल उद्यमी

लखपति दीदी बनने के बाद अब करोड़पति दीदी बनने का लक्ष्य

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव की रहने वाली माधवी चौधरी ने मेहनत और लगन के दम पर अपनी जिंदगी बदलने की राह बनाई है। जैविक मिर्च के अचार का कारोबार शुरू करके उन्होंने न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि दूसरी महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं। माधवी का लक्ष्य अब लखपति दीदी से आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनना है। माधवी ने स्थानीय संसाधनों और अपने हुनर को कारोबार का रूप दिया। जैविक मिर्च से तैयार अचार

उनके व्यवसाय की खास पहचान बना। इस काम के जरिए वह अपनी आमदनी बढ़ाने और कारोबार को आगे ले जाने में जुटी हैं। उनकी सफलता बताती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे स्तर पर शुरू किया गया व्यवसाय मेहनत और सही दिशा मिलने पर आगे बढ़ सकता है। स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। माधवी की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है। उनका अगला लक्ष्य अपने कारोबार का विस्तार करना और अधिक कमाई हासिल करना है, ताकि वह करोड़पति दीदी बनने के सपने को पूरा कर सकें।

अरुणाचल में चीन से तनाव जारी

शत्रुजीत कपूर बोले
सैन्य ताकत में चीन
काफी आगे

ड्रोन और एंटी-ड्रोन
तकनीक पर काम कर
रहा भारत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा पर अरुणाचल प्रदेश में तनाव जारी है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीवीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारतीय और चीनी सैनिक कई जगह आमने-सामने आए और टकराव की स्थिति बनी। गुरुवार को राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान उन्होंने बताया कि जुलाई के अंत से उमरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाकों में



तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ाई है। कपूर के मुताबिक, जुलाई से दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ड्रोन ने पारंपरिक युद्ध के तरीकों को बदल दिया है। इसे देखते हुए आईटीवीपी ड्रोन

बनाने और एंटी-ड्रोन क्षमता मजबूत करने पर काम कर रही है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएससी) के पास संसाधनों की सुरक्षा के लिए भूमिगत शेल्टर भी बनाए जा रहे हैं। इस बयान के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार चीन के साथ

टकराव पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2020 में चीन को लेकर दिए गए बयान पर भी निशाना साधा। कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने कहा कि यदि घटनाएं जुलाई से हो रही थीं, तो देश को इसकी जानकारी अक्टूबर में क्यों मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद और गहरा गया था।

15 जून 2020 को हुई उस झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अरुणाचल प्रदेश को लेकर भी दोनों देशों के बीच लंबे समय से विवाद है। चीन राज्य के बड़े हिस्से पर दावा करता है और समय-समय पर वहां के स्थानों के चीनी नाम जारी करता रहा है। भारत इन दावों और नामकरण का लगातार विरोध करता है।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को कारगिल की याद दिलाई

भाविका मंगलानंदन ने
आतंकवाद, अल्पसंख्यकों के
अधिकारों और जम्मू-कश्मीर
के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने आतंकवाद और धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे पर पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया। भारतीय प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने 1999 के कारगिल युद्ध का जिक्र करते हुए पाकिस्तान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो देश अपने मारे गए सैनिकों के शव स्वीकार करने से पीछे हट गया था, वही आज धार्मिक स्वतंत्रता और अंतिम संस्कार के अधिकारों पर उपदेश दे रहा है। भाविका ने कहा कि भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को सैन्य सम्मान और इस्लामी रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया था। उन्होंने आतंकवादियों के अधिकारों की चर्चा करते समय उनके हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों के अधिकारों को भी प्राथमिकता देने की बात कही। भारत ने पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर पर दिए गए बयानों को भी खारिज किया।



भाविका ने पाकिस्तान को अपने कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति पर ध्यान देने की नसीहत दी। उन्होंने रावलाकोट का उल्लेख करते हुए वहां के हालात पर सवाल उठाए। भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जो देश अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसे भारत को उपदेश देने का अधिकार नहीं है। इसके अलावा, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में प्रवासियों के मानवाधिकारों से जुड़ी रिपोर्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। भाविका ने कहा कि रिपोर्ट में कोविड-19 के दौरान हुई गलत प्रथाओं के लिए विकासशील देशों को जिम्मेदार ठहराया गया, जबकि विकसित देशों में ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज किया गया।

पीएम मोदी ने होलोग्राम से की स्वामी चिन्मयानंद से बात

चिन्मय मिशन के 75
साल पूरे होने पर दिल्ली
में तीन दिवसीय चिन्मय
अमृत महोत्सव

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडप में आयोजित 'चिन्मय अमृत महोत्सव' में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने तकनीक के जरिए स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के होलोग्राम से बातचीत की। स्वामी चिन्मयानंद का निधन 3 अगस्त 1993 को हुआ था। होलोग्राम ने प्रधानमंत्री को फरवरी 1993 में हुई मुलाकात की याद दिलाई, जब मोदी उन्हें अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गए थे। मोदी ने कहा कि उन्हें दोबारा गुरुदेव के दर्शन का सौभाग्य मिला। चिन्मय मिशन की स्थापना 1951 में हुई थी। इसके



दुनिया भर में 350 से अधिक केंद्र और 1,000 से ज्यादा आध्यात्मिक अध्ययन समूह हैं। भारत में मिशन के 80 से अधिक विद्यालय भी संचालित हैं। 23 से 25 अक्टूबर तक चलने वाले महोत्सव में प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण में मिशन की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य और मिशन की यात्रा एक-दूसरे से जुड़ी हैं। मोदी ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में विदेशों से चोरी हुई 600 मूर्तियां वापस लाई गई हैं। उन्होंने वेदों के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्र को महान बनाने का आह्वान किया।

अमेरिकी मेडिकल लैब पर साइबर हमला, मरीजों का डेटा लीक

क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स के
ऑनलाइन सिस्टम में सेंध
दुनियाभर में हेल्थकेयर
सेक्टर पर 716 साइबर
हमले दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख मेडिकल जांच कंपनी क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स पर साइबर हमला हुआ है। हैकरों ने कंपनी के ऑनलाइन सिस्टम में सेंध लगाकर मरीजों की मेडिकल रिपोर्ट और निजी जानकारी तक पहुंच बनाई। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कितने मरीज प्रभावित हुए हैं और कौन-कौन से रिकॉर्ड देखे गए। कंपनी के मुताबिक, क्वानम लैब सर्विसेज मैनेजर सिस्टम प्रभावित हुआ है, जिसका इस्तेमाल जांच बुक करने और रिपोर्ट देखने के लिए किया जाता है। हमले का पता चलते ही सिस्टम का इस्तेमाल रोक दिया गया। कंपनी ने



जांच के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद ली है। उसका कहना है कि रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित नहीं हुआ और डॉक्टर पहले की तरह जांच के लिए सैपल भेज सकते हैं। साइबर सुरक्षा कंपनी कंपैरिटेक के मुताबिक, सितंबर 2026 तक दुनियाभर में हेल्थकेयर संस्थाओं पर 716 साइबर हमले हुए, जिनमें 410 अमेरिका में दर्ज किए गए। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर तक डेटा लीक की 571 घटनाएं सामने आईं, जिनसे करीब 7.67 करोड़ लोगों की जानकारी प्रभावित हुई। क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स में पहले भी डेटा लीक की घटनाएं हो चुकी हैं।

मुंबई में बम धमाके की धमकी, अमिताभ-दलजीत भी निशाने पर

बीएमसी मेयर कार्यालय
और स्कूल को धमकी
भरा ईमेल

पुलिस की बम और डॉग
क्वाॅड टीमों ने शुरु की
जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में बम धमाके की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। शुक्रवार, 23 अक्टूबर को सुबह 11:31 बजे भेजे गए एक ईमेल में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के मेयर कार्यालय और एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। ईमेल में मेयर कार्यालय में दोपहर 3:11 बजे और स्कूल में दोपहर 1:11 बजे धमाके की बात कही गई। इसके अलावा, अभिनेता अमिताभ बच्चन के घर



'जलसा' और पंजाबी गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम को निशाना बनाने का भी जिक्र है। ईमेल के मुताबिक, 31 अक्टूबर को बांद्रा स्थित अमिताभ बच्चन के आवास 'जलसा' पर ग्रेनेड हमले की धमकी दी गई है। वहीं, 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम में बम धमाका

करने की बात कही गई है। संदेश में 'खालिस्तान जिंदाबाद' का नारा और कुछ प्रतिबंधित संगठनों के नाम भी लिखे गए हैं। ईमेल में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच मुंबई के अलग-अलग स्थानों पर हमले की धमकी भी दी गई है। हालांकि, इन दावों और धमकी की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। धमकी मिलने के बाद बीएमसी

की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

इसके बाद मुंबई पुलिस की बम निरोधक टीम और डॉग स्कवाॅड महानगरपालिका मुख्यालय पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया। मेयर और डिप्टी मेयर कार्यालयों, सभागृह तथा विभिन्न कमेटियों के चैबरों की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस किसी भी संभावित खतरे को नजरअंदाज नहीं करना चाहती।

मुंबई पुलिस और साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटे हैं। जांच एजेंसियां ईमेल के स्रोत, उसमें किए गए दावों और धमकी की गंभीरता का पता लगा रही हैं। अधिकारियों की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। फिलहाल जांच जारी है और तलाशी पूरी होने के बाद ही स्थिति को लेकर अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास सैकड़ों लोग प्रदर्शन करने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पोस्टर लेकर उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन का आयोजन 'पीपल ऑगेंस्ट एसआईआर' और छात्र संगठन एआईएसए ने किया है। प्रदर्शनकारियों ने बंगला साहिब से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की योजना बनाई, जिसके मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और बैरिकेडिंग की गई। पुलिस के मुताबिक, इन इलाकों की सड़कों पर जाम लग सकता है। प्रदर्शन में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, अभिनेता प्रकाश राज और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के शामिल होने की संभावना जताई गई है। 'पीपल ऑगेंस्ट एसआईआर' का गठन पिछले सप्ताह विभिन्न संगठनों को एक मंच पर लाने के लिए किया गया था। इसमें नागरिकों, किसान यूनियनों, मजदूर संगठनों और महिला एवं युवा संगठनों को शामिल किया गया है। इस बीच, दिल्ली पुलिस सौरव दास और आशुतोष रांका को पूछताछ के लिए दोबारा नोटिस भेज सकती है। दोनों पहले पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे और उन्होंने अतिरिक्त समय मांगा था। वहीं, दिल्ली हाईकोर्ट एआईएसए अध्यक्ष नेहा बोरा की उस याचिका पर फैसला सुनाने वाला है, जिसमें पुलिस के निजी मुचलके संबंधी नोटिस को चुनौती दी गई है।



बचाव कार्य जारी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र नागकू से करीब 190 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में पहाड़ी क्षेत्र में था। इसकी वजह से कुछ इलाकों में संचार व्यवस्था प्रभावित हुई है। एहतियातन प्रशासन ने क्षेत्र से गुजरने वाली ट्रेनों को रोकने के कदम उठाए हैं। भूकंप के बाद चट्टानें खिसकने से नेशनल हाईवे 317 का एक हिस्सा भी बंद कर दिया गया है। इसके अलावा, प्रभावित क्षेत्र में अगले तीन दिनों तक रुक-रुककर बर्फबारी होने की संभावना जताई गई है। लगातार सामने आ रही चुनौतियों के बीच राहत एजेंसियां प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हैं।

शरद पूर्णिमा पर महारास की मुद्रा में दर्शन देंगे बांके बिहारी

यूनिक समय, वृंदावन। शरद पूर्णिमा पर ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं को विशेष दर्शनों का लाभ मिलेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के वृंदावन पहुंचने की संभावना है। मुरली बजाते महारास की मुद्रा में दर्शन करे श्रद्धालु स्वयं को कृतार्थ करेंगे।

मंदिर परंपरा के अनुसार, शरद पूर्णिमा पर ठाकुर बांके बिहारी श्वेत पोशाक धारण कर महारास की मुद्रा में मुरली बजाते हुए भक्तों को दर्शन देते हैं। शरद पूर्णिमा की रात भगवान कृष्ण ने वंशीवट पर राधारानी और गोपियों के



साथ महारास किया था। इसी लीला की स्मृति में बांके बिहारी मंदिर में यह विशेष उत्सव मनाया जाता है। इस दिन

ठाकुर जी को मोर मुकुट, मुरली और विशेष आभूषणों से सजाया जाता है। सफेद जड़ाऊ पोशाक में सजे ठाकुरजी को चांदी के सिंहासन पर जगमोहन में विराजमान कराए जाने की परंपरा है। शरद पूर्णिमा की शाम मंदिर में होने वाले दर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र रहते हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा की सोलह कलाओं से युक्त चांदनी ठाकुरजी के स्वरूप को स्पर्श करती है। इसी मान्यता के चलते चंद्रमा की रोशनी में ठाकुरजी के दर्शन का विशेष महत्व माना जाता है। इस अवसर पर ठाकुरजी को खीर, चंद्रकला और अन्य पकवानों

का भोग अर्पित किया जाता है। श्रद्धालु भी अपने घरों में खीर बनाकर चांदनी में रखते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। शरद पूर्णिमा पर मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी बढ़ जाती है। पूर्णिमा और बड़े धार्मिक पर्वों पर बांके बिहारी मंदिर में अधिक भीड़ होने की जानकारी दी गई है। ऐसे में मंदिर क्षेत्र और आसपास के बाजारों में भी रैनक बढ़ने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन व्यवस्था और यातायात प्रबंधन महत्वपूर्ण रहेगा।

14 दिन बाद केलीकुंज आश्रम पहुंचे संत प्रेमानंद, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु



श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने की मुद्रा में शिष्यों के साथ संत प्रेमानंद।

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार को संत प्रेमानंद 14 दिन बाद पदयात्रा करते हुए श्रीहित राधा केलीकुंज आश्रम पहुंचे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। संत के दर्शन के लिए परिक्रमा मार्ग पर भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

संत प्रेमानंद मांट क्षेत्र स्थित यमुना विहार आश्रम से पदयात्रा पूरी कर वृंदावन के श्रीहित राधा केलीकुंज आश्रम पहुंचे। उनके 14 दिन बाद पुनः आश्रम आगमन को लेकर श्रद्धालुओं

में खासा उत्साह देखने को मिला। संत के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में भक्त परिक्रमा मार्ग पर एकत्रित हुए। उनके पहुंचने के दौरान पूरा क्षेत्र 'राधे-राधे' के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने रास्ते में जगह-जगह फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। पदयात्रा में दूर-दूर तक के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। संत प्रेमानंद के दर्शन पाकर श्रद्धालु भावविभोर नजर आए। भजन-कीर्तन और जयकारों के बीच परिक्रमा मार्ग भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं में संत की एक झलक पाने के लिए विशेष उत्सुकता बनी रही।

दूध की धारा संग गिरिराजजी की परिक्रमा, शरदोत्सव का शंखनाद

भजन-कीर्तन के बीच उमड़े श्रद्धालु, गिरिराज जी से ब्रज पर कृपा की प्रार्थना

25 अक्टूबर को चांदनी महल में सजेगा छप्पन भोग, भजनों संग होगा महारास

यूनिक समय, मथुरा। शरद पूर्णिमा की आहट के साथ गिरिराज धाम भक्ति और उल्लास से सराबोर होने लगा है। श्री गिरिजी जी सेवा ट्रस्ट की ओर से आयोजित तीन दिवसीय शरद पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को गिरिराजजी की दुग्धधारा परिक्रमा से हुआ। गाजे-बाजे, मधुर भजनों और कीर्तन के बीच ठाकुरजी के डोले के साथ निकली परिक्रमा में श्रद्धालु भावविभोर नजर आए।

ट्रस्ट परिवार ने अपने आराध्य गिरिराजजी से संपूर्ण ब्रज पर कृपा बनाए रखने और भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। अब श्रद्धालुओं को रविवार को होने वाले भव्य छप्पन



शरद पूर्णिमा पर होने वाले आयोजन से पहले दुग्ध धारा की तैयारी के दौरान जयकारा लगाते आयोजक।

भोग महोत्सव का इंतजार है। शनिवार को ठाकुरजी का दूध और पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। शाम को ट्रस्ट परिवार की महिलाओं और बच्चों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीकृष्ण की नवरास लीलाओं का मंचन होगा।

रविवार को शरद पूर्णिमा की धवल चांदनी में चांदनी महल में छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। मधुर भजनों और महारास से उत्सव की छटा और निखरेगी। श्रद्धालु दोपहर दो बजे से रात

12 बजे तक दर्शन कर सकेंगे। शयन आरती के साथ महोत्सव का समापन होगा। आयोजन में श्री दीनदयाल चौपईया वाले, महेश बंसल, प्रदीप अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल (डब्लू), ए.एन. भाटिया, विशाल बंसल, पवन अग्रवाल, धर्मेन्द्र बंसल, विजय माहेश्वरी और शोभित अरोड़ा, अशोक कुमार गुड्डा वाले, गोपाल प्रसाद कोसी वाले, पवन अग्रवाल, दानी अग्रवाल, सहित ट्रस्ट परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में फायरिंग-पथराव, सात गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बलदेव पुलिस ने गांव भरतिया में पुरानी रंजिश में पथराव और फायरिंग करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारों में तीन महिलाएं भी हैं। उनसे पुलिस ने तीन वाहन, खोखा, कारतूस और लाठी डंडे बरामद किए हैं। पुलिस ने गांव भरतिया में पुरानी रंजिश को लेकर बलवा कर फायरिंग और पथराव करने वाले अभियुक्त रमेश, संतोष कुमार और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गांव में दोनों पक्षों में जमकर बवाल हुआ था।

त्यागी बाबा के जयकारों से गूंज उठी बाटी, उमड़ा संतों का सैलाब

यूनिक समय, वृंदावन। जैत क्षेत्र के गांव बाटी स्थित त्यागी बाबा आश्रम-सीताराम मंदिर में शुक्रवार को सप्त दिवसीय हनुमंत महायज्ञ-विराट संत सम्मेलन का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस अवसर पर पूरे गांव में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। विशाल शोभायात्रा में गांव की महिलाओं और पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। धार्मिक उल्लास के बीच निकली कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महामंडलेश्वर सरजू दास ने बताया कि गांव बाटी में सप्त दिवसीय हनुमंत महायज्ञ-विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य सनातन धर्म की परंपराओं को आगे बढ़ाना, समाज में धार्मिक चेतना और आध्यात्मिक



कलश यात्रा में शामिल महामंडलेश्वर सरजू दास और संत-महंत आदि।

मूल्यों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि आयोजन के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को संतों का सानिध्य प्राप्त होगा।

वहीं, गुरु महामंडलेश्वर रामदास त्यागी ने बताया कि पूज्य श्याम दास की प्रथम पुण्यतिथि महामहोत्सव को बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया

जा रहा है। महंत गंगा दास ने बताया कि इस महामहोत्सव में कई राज्यों के प्रसिद्ध संत-महात्माओं के साथ अनेक राजनीतिक हस्तियां भी सम्मिलित होंगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर संतों का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुए इस

विशाल कलश यात्रा के साथ हनुमंत महायज्ञ-विराट संत सम्मेलन का शुभारंभ

त्यागी बाबा श्याम दास की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित हो रहा सप्त दिवसीय महामहोत्सव

सात दिवसीय धार्मिक महामहोत्सव को लेकर गांव बाटी सहित आसपास के क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस मौके पर दिगम्बर अखाड़ा के अध्यक्ष वैष्णव दास, महामंडलेश्वर रामेश्वर दास, महामंडलेश्वर दीनबंधु बंधु दास, महामंडलेश्वर श्याम दास, महंत मोहिनी बिहारी शरण, महंत लखन दास, प्रकाश सिंह पत्रकार, मोहित पहलवान सहित अनेक ग्रामवासी मौजूद रहे।

योगी को भेंट किया कृष्ण कन्हाई ने छह फीट का भव्य पोर्ट्रेट



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पोर्ट्रेट भेंट करते पद्मश्री चित्रकार कृष्ण कन्हाई।

यूनिक समय, वृंदावन। पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात चित्रकार कृष्ण कन्हाई ने गुरुवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी विशिष्ट कलात्मक शैली में तैयार किया गया चार बाई छह फीट का भव्य पोर्ट्रेट और लगभग 250 पृष्ठों की कॉफी टेबल बुक भेंट की।

पोर्ट्रेट में मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व, चेहरे के भावों और उनकी ओजस्विता को बारीकी से उकेरा गया है। चित्र की जीवंतता ने मुख्यमंत्री को प्रभावित किया। मुलाकात के दौरान कृष्ण कन्हाई

मथुरा-वृंदावन दौरे पर आर्ट गैलरी आने का दिया न्योता

ने मुख्यमंत्री को मथुरा-वृंदावन प्रवास के दौरान नंदनवन स्थित अपनी 'कृष्ण कन्हाई आर्ट गैलरी' आने का आमंत्रण दिया। उन्होंने गैलरी में प्रदर्शित श्रीराधा-कृष्ण की लीलाओं, भारतीय संस्कृति और पारंपरिक स्वर्ण चित्रकला की समृद्ध विरासत से परिचित कराने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण स्वीकार किया। इस अवसर पर कृष्ण कन्हाई के सुपुत्र-युवा चित्रकार अर्जुन कन्हाई भी मौजूद रहे।